

शब्दावली

1 समावेशन

इस शब्दावली में निम्नलिखित शब्दसमुच्चय का समावेश है।

- परियोजना प्रबंधन के लिए एकमेव अथवा तकरीबन एकमेव (उदाहरण, परियोजना कार्यक्षेत्र विवरण, कार्य पैकेज, वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर, निर्णायक मार्ग विधि)।
- परियोजना प्रबंधन के लिए एकमेव नहीं है, परंतु रोजाना सामान्य रूप में उपयोग किए जाने की तुलना में परियोजना प्रबंधन में अलग-अलग अथवा सीमित अर्थ के साथ उपयोग होते हैं।

इस शब्दावली में सामान्यतया निम्नलिखित का समावेश नहीं है :

- प्रयुक्त क्षेत्र – विशिष्ट शब्दसमुच्चय (उदाहरण, एक कानूनी दस्तावेज के रूप में परियोजना नियमावली – रियल इस्टेट विकास के लिए एकमेव)
- परियोजना प्रबंधन में उपयोग हुए शब्दसमुच्चय जो कि रोजाना उपयोग होने से किसी भी प्रकार महत्वपूर्ण रूप से भिन्न नहीं है। (उदाहरण, कैलेंडर दिन, विलंब)।
- मिश्रित अथवा संयुक्त शब्दसमुच्चय जिसका अर्थ घटक भाग के संयुक्त अर्थ से स्पष्ट है।
- जब भिन्न-भिन्न शब्दसमुच्चय का अर्थ मूल शब्दसमुच्चय से स्पष्ट हो (उदाहरण, अपवाद रिपोर्ट समाविष्ट है, अपवाद रिपोर्टिंग समाविष्ट नहीं है)।

उपरोक्त समावेशन के परिणामस्वरूप इस शब्दावली में निम्नलिखित का समावेश है।

- इसमें परियोजना कार्यक्षेत्र प्रबंधन, परियोजना समय प्रबंधन, और परियोजना जोखिम प्रबंधन से संबंधित शब्दसमुच्चय की बहुलता है, क्योंकि इन ज्ञान क्षेत्रों में उपयोग हुए अनेक शब्दसमुच्चय परियोजना प्रबंधन के लिए एकमेव है अथवा तकरीबन एकमेव जैसे हैं।
- कई शब्दसमुच्चय परियोजना गुणवत्ता प्रबंधन से हैं, क्योंकि यह शब्दसमुच्चय उनके रोजाना उपयोग होने की तुलना में अधिक संकीर्णता से उपयोग किए गये हैं।
- अपेक्षाकृत कुछ शब्दसमुच्चय परियोजना मानव संसाधन प्रबंधन और परियोजना संचार प्रबंधन से संबंधित हैं, क्योंकि इन ज्ञान क्षेत्रों में उपयोग किए गये अधिकतर शब्दसमुच्चय रोजाना उपयोग से विशिष्ट रूप से भिन्न नहीं हैं।
- अपेक्षाकृत कुछ शब्दसमुच्चय परियोजना लागत प्रबंधन, परियोजना एकीकरण प्रबंधन और परियोजना आपूर्ति प्रबंधन से संबंधित हैं, क्योंकि इन ज्ञान क्षेत्रों में उपयोग किए गये अधिकतर शब्दसमुच्चय संकीर्ण अर्थ वाले हैं जो कि, किसी विशेष प्रयुक्त क्षेत्र के लिए एकमेव हैं।

2 सामान्य सूक्ष्म शब्द

AC	वास्तविक लागत
ACWP	किये गए कार्य की वास्तविक लागत
BAC	समापन पर बजट
BCWP	किये गए कार्य की बजट लगाई हुई लागत
BCWS	निर्धारित कार्य की बजट लगाई हुई लागत
CCB	परिवर्तन नियंत्रण बोर्ड
COQ	गुणवत्ता लागत
CPAF	लागत और प्रदानता फीस
CPF	लागत और फीस
CPFF	लागत और तय फीस
CPI	लागत कार्यप्रदर्शन सूचकांक
CPIF	लागत और प्रोत्साहन फीस
CPM	निर्णायक मार्ग कार्यपद्धति
CV	लागत विभिन्नता
EAC	समापन पर आकलन या समापन तक का आकलन
EF	शीघ्र समाप्ति की तिथि
EMV	अपेक्षित आर्थिक मूल्य
ES	शीघ्र आरंभ करने की तिथि
ETC	पूर्ण करने हेतु आकलन
EV	अर्जित मूल्य
EVM	अर्जित मूल्य प्रबंधन
FF	अंत-से-अंत
FFP	तय हुई निर्धारित कीमत
FMEA	असफल तरीका और प्रभावी विश्लेषण
FP-EPA	आर्थिक कीमत समायोजन के साथ तय कीमत
FPIF	तय कीमत प्रोत्साहन फीस

FS	अंत-से-शुरू
IFB	बोली हेतु आमंत्रण
LF	देरी से समाप्ति की तिथि
LOE	परिश्रम का स्तर
LS	देरी से आरंभ की तिथि
OBS	संस्थानात्मक विखंडन संरचना
PDM	पूर्ववर्ती चित्र बनाने की विधि
PMBOK	प्रोजेक्ट मैनेजमेंट बॉडी ऑफ नॉलेज
PMIS	परियोजना प्रबंधन सूचना प्रणाली
PMP®	(प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल) परियोजना प्रबंधन पेशेवर
PV	नियोजित मूल्य
QA	गुणवत्ता सुनिश्चितता
QC	गुणवत्ता नियंत्रण
RACI	जिम्मेदार, उत्तरदायी, परामर्श और सूचना
RAM	जिम्मेदारी नियुक्ति तालिका
RBS	जोखिम विखंडन संरचना
RFI	सूचना हेतु निवेदन
RFI	प्रस्ताव हेतु निवेदन
RFQ	उद्धरण हेतु निवेदन
SF	शुरू-से-अंत
SOW	कार्य का विवरण
SPI	शेड्यूल कार्यप्रदर्शन सूचकांक
SS	शुरू-से-शुरू
SV	शेड्यूल भिन्नता
SWOT	शक्ति, कमजोरी, अवसर और आशंकाएं
T&M	समय और सामग्री
TQM	संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन
WBS	वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर

3 परिभाषाएं

यहां पर परिभाषित अनेक शब्दसमुच्चय काफी विस्तृत हैं और कुछ मामलों में शब्दकोष परिभाषाओं से अलग हैं।

इन परिभाषाओं में अधोलिखित परंपराओं का उपयोग हुआ है।

- कुछ मामलों में एकल शब्दावली शब्दसमुच्चय में कई शब्द समाविष्ट हैं। (उदाहरण, जोखिम प्रतिसाद नियोजन)।
- जहां समानार्थी शब्दसमुच्चय समाविष्ट किये गये हैं वहां परिभाषा नहीं दी गई है और पाठकों को वरीयताप्राप्त शब्दसमुच्चय दर्शाया गया है (अर्थात वरीयताप्राप्त शब्दसमुच्चय देखें)।
- जिनके समानार्थी शब्दसमुच्चय नहीं दिये गये हैं उन संबंधित शब्दसमुच्चय को परिभाषा के अंत में प्रतिउल्लेखित किया गया है (अर्थात संबंधित शब्दसमुच्चय भी देखें)।

स्वीकार्य मानदंड- इन मानदंडों में कार्यप्रदर्शन आवश्यकताओं और अनिवार्य शर्तों का समावेश होता है, जो कि परियोजना डेलिवरेबल स्वीकार होने के पूर्व अवश्य पूर्ण किए जाने चाहिए।

परियोजना टीम का अधिग्रहण (प्रक्रिया)- ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना एसाइनमेंट को पूरा करने के लिए जरूरी टीम को प्राप्त किया जाता है और मानव संसाधन उपलब्धता की पुष्टि की जाती है।

गतिविधि- किसी परियोजना के गतिमान होने के दौरान किए गये कार्य का एक घटक।

गतिविधि विशेषताएं (आउटपुट/इनपुट)- प्रत्येक शेड्यूल गतिविधि के साथ जुड़ी हुई बहुविध विशेषताएं जो कि, गतिविधि सूची के भीतर शामिल की जा सकें। गतिविधि विशेषताओं में गतिविधि कोड, पूर्ववर्ती गतिविधियों, अनुक्रमिक गतिविधियों, तार्किक संबंध, अग्रसर और पिछड़ी हुई, संसाधन आवश्यकताओं, सख्ती से लागू की गई तिथियों, विवशता और पूर्वधारणा का समावेश है।

गतिविधि कोड- कार्य के गुणधर्मों की पहचान करनेवाले एक अथवा उससे अधिक संख्यासूचक अथवा पाठ्य मूल्यों अथवा शेड्यूल गतिविधियों को इस प्रकार से वर्गीकृत करना कि, वे रिपोर्ट सीमा में गतिविधियों के धीरे चलने और क्रमबद्ध करने की अनुमति दे सकें।

गतिविधि अवधि- किसी शेड्यूल गतिविधि की शुरू होने और समाप्त होने के बीच कैलेंडर इकाईयों में समय। *अवधि* भी देखें।

गतिविधि पहचानकर्ता- प्रत्येक शेड्यूल गतिविधि को अन्य गतिविधियों से परियोजना गतिविधि के रूप में अंतर बताने के लिए निर्दिष्ट की गई एक लघु एकमेव संख्यासूचक अथवा पाठ्य पहचान। प्रतीकात्मक रूप से यह किसी भी परियोजना शेड्यूल नेटवर्क आकृति में एकमेव होता है।

गतिविधि सूची (आउटपुट/इनपुट)- शेड्यूल गतिविधियों की एक दस्तावेजी समय सारिणी, जिसमें गतिविधि विवरण, गतिविधि पहचानकर्ता को दर्शाया गया है और एक पर्याप्त रूप से कार्य के विवरण का विस्तृत विस्तार भी हो, जिससे कि परियोजना टीम के सदस्य यह समझ सकें कि, कौन सा कार्य किया जाना है।

वास्तविक लागत (AC) - एक शेड्यूल गतिविधि अथवा वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर घटक के लिए दी गई समय सीमा के दौरान किए गये कार्य का संपादन करने में वास्तविक रूप से प्राप्त और दर्ज की गई कुल लागत। वास्तविक लागत, कभी-कभार केवल प्रत्यक्ष मजदूरी घंटे, केवल प्रत्यक्ष लागत, अथवा अप्रत्यक्ष लागत समेत कुल लागत हो सकती है। यह किए गये कार्य की वास्तविक लागत के अनुसार भी उल्लेखित है। *अर्जित मूल्य प्रबंधन और अर्जित मूल्य तकनीक* भी देखें।

किये गए कार्य की वास्तविक लागत (ACWP) - वास्तविक लागत देखें।

वास्तविक अवधि– शेड्यूल गतिविधि की वास्तविक आरंभ तिथि और परियोजना शेड्यूल की डेटा तिथि के बीच कैलेंडर इकाईयों में समय, यदि शेड्यूल गतिविधि प्रगति पर है अथवा वास्तविक समाप्त तिथि यदि शेड्यूल गतिविधि पूर्ण हो गई हो।

आपूर्ति प्रशासन (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें आपूर्ति संबंधों का प्रबंध, अनुबंध कार्यप्रदर्शन की निगरानी और आवश्यकतानुसार बदलाव और सुधार किया जाता है।

विगत समरूप कार्य का आकलन (तकनीक)– एक आकलन करनेवाली तकनीक जिसमें पैरामीटर के मूल्यों जैसे कार्यक्षेत्र, लागत, बजट और अवधि का उपयोग किया जाता है अथवा मापन श्रेणी जैसे आकार, वजन का मापन और पिछली समरूप गतिविधि से जटिलता, समान पैरामीटर का आकलन करने के लिए आधार स्वरूप समान गतिविधि अथवा किसी भविष्य की गतिविधि के मापन के लिए उपयोग किया जाता है।

प्रयुक्त क्षेत्र– परियोजनाओं की श्रेणी जिसमें इस तरह की परियोजनाओं के सामान्य घटक के महत्व हों, परंतु यह जरूरी नहीं है अथवा सभी परियोजनाओं में मौजूद नहीं होते हैं। प्रयुक्त क्षेत्र को आमतौर पर उत्पाद (अर्थात् समरूप प्रौद्योगिकियों अथवा उत्पादन विधियों से) अथवा ग्राहक के प्रकार (अर्थात् आंतरिक बनाम बाहरी, सरकारी बनाम व्यावसायिक) अथवा उद्योग क्षेत्र (अर्थात् जन उपयोगी सेवाएं, ऑटोमोटिव, एरोस्पेस, सूचना प्रौद्योगिकी इत्यादि) के संदर्भ में परिभाषित किया जा सकता है। प्रयुक्त क्षेत्र एक दूसरे पर अंशछादित हो सकते हैं।

मान्यताप्राप्त बदलाव निवेदन (आउटपुट/इनपुट)– एक बदलाव निवेदन जो कि, एकीकृत बदलाव नियंत्रण प्रक्रिया के द्वारा किया गया और मान्यताप्राप्त हो।

पूर्वधारणा– पूर्वधारणा वह कारक है जो, नियोजन प्रक्रिया के लिए बिना प्रमाण अथवा प्रत्यक्ष कार्यप्रदर्शन के सत्य, सही अथवा निश्चित माने गये हैं।

पूर्वधारणा विश्लेषण (तकनीक)– वह तकनीक जो पूर्वधारणा की यथार्थता की छानबीन करती है और पूर्वधारणा की अयथार्थता, असंगति अथवा अधूरेपन से परियोजना पर पड़नेवाले जोखिम की पहचान करती है।

प्राधिकरण– इसके पास परियोजना संसाधनों को प्रयोग करने, निधि को खर्च करने, निर्णय लेने और मंजूरी देने का अधिकार होता है।

पीछे जाना– सभी शेड्यूल गतिविधियों के अधूरे भागों के लिए देरी से समाप्ति की तिथियों और देरी से आरंभ करने की तिथियों की गणना करना। इसमें परियोजना के अंत की तिथि से शेड्यूल नेटवर्क तर्क के द्वारा पीछे की तरफ कार्य करते हुए इसका निर्धारण किया जाता है। शेड्यूल नेटवर्क विश्लेषण भी देखें।

आधाररेखा– किसी परियोजना की मान्यताप्राप्त योजना जिसमें मान्यताप्राप्त बदलावों को बढ़ाया अथवा घटाया जा सकता है। इसकी तुलना निर्धारण किए जानेवाले वास्तविक कार्यप्रदर्शन से की जाती है, यदि कार्यप्रदर्शन स्वीकार्य मतभेद सीमा के भीतर हो। समान्यतया वर्तमान आधाररेखा से भी संदर्भित हो सकते हैं, परंतु मूल अथवा किसी अन्य आधाररेखा के लिए भी संदर्भित हो सकते हैं। आमतौर पर किसी संशोधक के साथ उपयोग किये जाते हैं। (जैसे, लागत कार्यप्रदर्शन आधाररेखा, शेड्यूल आधाररेखा, कार्यप्रदर्शन मापन आधाररेखा, तकनीकी आधाररेखा)।

अंत से शुरू तक आकलन करना (तकनीक)– यह कार्य के घटक के अनुसार आकलन करने की विधि है। कार्य को अधिक विस्तृत रूप से विघटित किया गया है। यह आकलन प्रत्येक निचले स्तर की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्या जरूरी है, उसके लिए कार्य को अधिक विस्तृत रूप से टुकड़ों में बांटा जाता है और इसके बाद इन आकलनों को कार्य के घटक के लिए कुल मात्रा में एकीकृत किया जाता है। उल्टा आकलन की यथार्थता निचले स्तर पर पहचाने गये कार्य के आकार और उसकी जटिलता पर निर्भर है।

सामूहिक स्वाभाविक विचार प्रकट करना (तकनीक)– एक साधारण डेटा एकत्रीकरण और रचनात्मक तकनीक जिसका उपयोग जोखिम, आइडिया को पहचानने के लिए किया जा सके अथवा टीम सदस्यों के एक समूह का अथवा संबंधित मामलों के विशेषज्ञों द्वारा मुद्दों का समाधान किया जा सके।

बजट– परियोजना अथवा कोई वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर घटक अथवा कोई शेड्यूल गतिविधि के लिए मान्यताप्राप्त आकलन। *आकलन* भी देखें।

समापन का बजट (BAC) – किसी परियोजना अथवा एक वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर घटक अथवा कोई शेड्यूल गतिविधि के लिए किए गये कार्य के लिए स्थापित किये गये सभी बजटों का योग। परियोजना के लिए कुल नियोजित मूल्य।

किये गए कार्य की आकलित लागत (BCWP) – *अर्जित मूल्य* देखें।

निर्धारित कार्य की आकलित लागत (BCWS) – *नियोजित मूल्य* देखें।

मध्यकृत भंडार– *आरक्षित* देखें।

खरीददार– किसी संस्थान के उत्पादों, सेवाओं अथवा परिणामों का अधिग्रहणकर्ता।

निर्धारित समय– किसी परियोजना के निर्धारण में लगनेवाला न्यूनतम समय। न्यूनतम निर्धारित समय सामान्यतया घंटों, दिन अथवा सप्ताह में होता है, परंतु यह तिमाही, महीनों, पालियों में अथवा यहां तक कि मिनटों में भी हो सकता है।

बदलाव नियंत्रण– परियोजना आधाररेखा में बदलावों की पहचान करना, दस्तावेजीकरण करना, मान्यता देना अथवा रद्द करना और नियंत्रण करना।

बदलाव नियंत्रण मंडल (CCB)– विधिवत रूप से गठित अंशधारकों का समूह जो, किसी परियोजना के बदलावों की समीक्षा, मूल्यमापन, मान्यता देने, विलंब करने अथवा उन्हें निरस्त करने के लिए जिम्मेदार हो।

बदलाव नियंत्रण प्रणाली (उपकरण)– विधिवत रूप से दस्तावेजी प्रक्रियाओं का एक समूह जो यह परिभाषित करता है कि, कैसे परियोजना डेलिवरेबल्स और दस्तावेजीकरण को नियंत्रित, परिवर्तित और मान्य किया जाएगा। अधिकतर प्रयुक्त क्षेत्रों में, बदलाव नियंत्रण प्रणाली परियोजना प्रबंधन की उपप्रणाली का एक उपसेट होती है।

बदलाव निवेदन– परियोजना कार्यक्षेत्र का विस्तार करने अथवा घटाने, नीतियों, प्रक्रियाओं, योजनाओं अथवा कार्यपद्धतियों को संशोधित करने अथवा लागत अथवा बजट को संशोधित करने अथवा शेड्यूल को पुनर्निर्धारित करने हेतु निवेदन।

अधिकारपत्र– *परियोजना अधिकारपत्र* देखें।

दावा– खरीददार के विरुद्ध विक्रेता अथवा विक्रेता के विरुद्ध खरीददार द्वारा अधिकारों के लिए एक निवेदन, मांग अथवा उसका निश्चित विधान, जिसके अनुसार किसी विवादित मामले में एक कानूनी रूप से बंधनकारी अनुबंध नियमों के अंतर्गत उस पर विचार किया जा सके, मुआवजा दिया जा सके अथवा भुगतान किया जा सके।

आपूर्ति का समापन(प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें प्रत्येक परियोजना आपूर्ति को पूर्ण किया जाता है।

परियोजना अथवा चरण का समापन (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें विधिवत रूप से परियोजना अथवा चरण को पूरा करने के लिए सभी प्रबंधन प्रक्रिया समूहों की सभी गतिविधियों को अंतिम रूप दिया जाता है।

समापन प्रक्रियाएं (प्रक्रिया समूह)– वह प्रक्रियाएं जो विधिवत रूप से परियोजना अथवा चरण को बंद करने के लिए सभी परियोजना प्रबंधन प्रक्रिया समूहों के चारों ओर सभी गतिविधियों को अंतिम रूप देने के लिए की गई हों।

खाता संहिता (उपकरण)– वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर के प्रत्येक घटक को एकमेव रूप से पहचानने के लिए उपयोग की गई कोई क्रमवार प्रणाली।

आवश्यकताएं प्राप्त करना (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अंशधारकों की जरूरतों का निर्धारण और दस्तावेजीकरण किया जाता है।

एकत्रित होना (तकनीक)– एक संस्थानात्मक नियुक्ति करने की रणनीति जिसके अंतर्गत आपसी बातचीत, कार्य करते समय मेल-जोल बढ़ाने और उत्पादकता का सुधार करने के लिए परियोजना टीम के सदस्यों को भौतिक रूप से एक जगह बिठाकर काम करवाया जाता है।

सामान्य कारण– अंतर का स्रोत जो प्रणाली में अंतर्निहित हो, जिसका पूर्वानुमान किया जा सके। एक नियंत्रण चार्ट पर यह अनियमित प्रक्रिया भिन्नता के भाग के रूप में दिखाई देती है (अर्थात किसी प्रक्रिया से भिन्नता जिसे सामान्य माना जा सके अथवा जो असामान्य नहीं है) और यह नियंत्रण सीमा के भीतर अनियमित पैटर्न बिंदुओं द्वारा निर्देशित होता है। अनियमित कारण के रूप में भी उल्लेखित है। विशेष कारण के साथ विषमता।

संचार प्रबंधन योजना (आउटपुट/इनपुट)– वह कागजात जो निम्नलिखित का वर्णन करता है: परियोजना के लिए संचार आवश्यकताएं और अपेक्षाएं; कैसे और किस स्वरूप में इसकी सूचना का संचार किया जायेगा; कब और कहां प्रत्येक संचार कार्य पूरा होगा; और हर प्रकार के संचार की व्यवस्था करना किसकी जिम्मेदारी है। संचार प्रबंधन योजना उसमें समाविष्ट होती है और यह परियोजना प्रबंधन योजना की सहायकारी योजना होती है।

आपूर्ति करवाना (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें विक्रेताओं से प्रतिसाद प्राप्त किया जाता है, किसी विक्रेता का चयन किया जाता है और अनुबंध प्रदान किया जाता है।

परियोजना प्रबंधन की उपप्रणाली (उपकरण)– संपूर्ण परियोजना प्रबंधन प्रणाली की एक उपप्रणाली। यह एक विधिवत पूर्ण की हुई कागजाती कार्यपद्धति का संग्रह है जो कि, निम्नलिखित कार्य करने के लिए तकनीकी और प्रशासनिक दिशानिर्देश और निगरानी प्रणाली को प्रयोग में लाने के लिए उपयोग किया जाता है। किसी उत्पाद, परिणाम, सेवा अथवा घटक के कार्यात्मक और भौतिक विशिष्टताओं को पहचानने और उनका दस्तावेज बनाने, इन विशिष्टताओं को नियंत्रित और परिवर्तित करने, प्रत्येक परिवर्तन और उसके क्रियान्वयन स्थिति को दर्ज करने और रिपोर्ट बनाने और उसके अमल में लाने की स्थिति और आवश्यकताओं की अनुरूपता की जांच करने के लिए उत्पादों, परिणामों अथवा घटकों का समर्थन अथवा अंकेक्षण करने में इसका उपयोग किया जाता है। इसमें बदलावों को अधिकृत बनाने और नियंत्रित करने के लिए जरूरी दस्तावेजीकरण, अनुसरण प्रणाली और परिभाषित मंजूरी स्तर का समावेश है।

विवशता (इनपुट)– कार्य करने अथवा नहीं करने हेतु दी गई अवधि में प्रतिबंधित की गई अवस्था गुणवत्ता अथवा तात्पर्य। परियोजना का आंतरिक अथवा बाहरी प्रतिबंध अथवा मजबूरी, जो कि परियोजना अथवा प्रक्रिया के कार्यप्रदर्शन को प्रभावित करेगी। उदाहरण के तौर पर परियोजना शेड्यूल पर लगायी गयी कोई सीमा अथवा रोक एक निर्धारित विवशता है, जो कि ऐसे समय प्रभाव डालती है, जब कोई शेड्यूल गतिविधि निर्धारित की जा सकती है और आम तौर पर थोपी गई तय तिथियों के स्वरूप में होती है।

आकस्मिकता– आरक्षित देखें।

आकस्मिकता भत्ते– आरक्षित देखें।

आकस्मिकता समाधान आरक्षण (आउटपुट/इनपुट)– संस्थान को स्वीकार्य स्तर पर परियोजना उद्देश्य से पिछड़ने के जोखिम को कम करने के लिए आकलन के ऊपर आवश्यक निधियों की राशि, बजट अथवा समय।

अनुबंध (आउटपुट/इनपुट)– अनुबंध एक परस्पर बंधनकारी समझौता है, जो विक्रेता को निर्धारित उत्पाद अथवा सेवा अथवा परिणाम को प्रदान करने के लिए बाध्य करता है और खरीददार को उसके लिए भुगतान करने हेतु बाध्य करता है।

नियंत्रण– नियोजित कार्यप्रदर्शन के साथ वास्तविक कार्यप्रदर्शन की तुलना करना, विसंगतियों का विश्लेषण करना, प्रक्रिया सुधारों पर प्रभाव डालने के लिए विचारधारा का निर्धारण करना, संभावित विकल्पों का मूल्यमापन करना, और आवश्यकतानुसार उपयुक्त सुधारात्मक कार्यवाही की सलाह देना।

नियंत्रण खाता (उपकरण)– एक प्रबंधन नियंत्रण बिंदु, जहां कार्यक्षेत्र, बजट, (संसाधन योजनाएं) वास्तविक लागत और शेड्यूल एकीकृत की गई है और उसकी कार्यप्रदर्शन मापन के लिए अर्जित मूल्य से तुलना की जाती है। *कार्य पैकेज भी देखें।*

नियंत्रण चार्ट (उपकरण)– यह समय से अधिक और स्थापित नियंत्रण सीमाओं के विरुद्ध प्रक्रिया डेटा का एक आलेखित प्रदर्शन होता है और जिसमें एक मध्यरेखा होती है, जो दोनों में से एक नियंत्रण सीमा के समक्ष आलेखित मूल्यों की विचारधाराओं का अन्वेषण करने में सहायता करती है।

लागत नियंत्रित करना (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना बजट को अद्यतन करने के लिए परियोजना स्थिति की निगरानी की जाती है और लागत आधाररेखा में बदलाव प्रबंधन किया जाता है।

नियंत्रण सीमा– मध्यरेखा के दोनों तरफ तीन मानक विसामान्यता का समिश्रित क्षेत्र अथवा किसी नियंत्रण चार्ट पर आलेखित डेटा का एक सामान्य वितरण का अंतराल, जो कि डेटा में अपेक्षित विभिन्नताओं को परावर्तित करता है। *विनिर्देशन सीमाएं भी देखें।*

शेड्यूल नियंत्रित करना (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना प्रगति को अद्यतन करने के लिए स्थिति की निगरानी की जाती है और शेड्यूल आधाररेखा में बदलाव प्रबंधन किया जाता है।

कार्यक्षेत्र नियंत्रित करना (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना और उत्पाद कार्यक्षेत्र की स्थिति की निगरानी की जाती है और कार्यक्षेत्र आधाररेखा में बदलाव प्रबंधन किया जाता है।

नियंत्रण करना– *नियंत्रण देखें।*

सुधारक कार्यवाही– यह परियोजना कार्य निष्पादन हेतु दस्तावेजित निर्देश है जिससे, परियोजना कार्य के अपेक्षित भविष्य के कार्यप्रदर्शन को परियोजना प्रबंधन योजना को साथ लाया जाता है।

लागत प्रबंधन योजना (आउटपुट/इनपुट)– वह दस्तावेज जो, लागत का नियोजन, संरचना करने, और नियंत्रण करने के लिए प्रारूप तैयार करता है तथा गतिविधियों और मापदंड को स्थापित करता है। लागत प्रबंधन योजना परियोजना प्रबंधन योजना में अंतर्निहित होती है अथवा उसकी एक सहायकारी योजना होती है।

गुणवत्ता लागत (COQ) (तकनीक)– यह गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्राप्त लागत का निर्धारण करनेवाली एक विधि है। निवारण और समीक्षा लागत (अनुरूपता की लागत) में आवश्यकताओं (अर्थात् प्रशिक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली, इत्यादि) की अनुवृत्ति को निश्चित करने के लिए गुणवत्ता नियोजन, गुणवत्ता नियंत्रण (QC) और गुणवत्ता सुनिश्चितता हेतु लागत का समावेश होता है। असफलता लागत (गैर-अनुरूपता की लागत) में उत्पादों, घटकों के पुनःकार्य की लागत अथवा गैर-अनुवर्ती प्रक्रियाओं, वारंटी कार्य और सामग्री की लागत और प्रतिष्ठा की हानि का समावेश होता है।

लागत कार्यप्रदर्शन आधाररेखा– यदि परियोजना उद्देश्यों की पूर्ति के लिए पूर्व-सतर्कता अथवा सुधारात्मक कार्यवाही आवश्यक है, तो गणना किये जानेवाले नियोजित खर्च से वास्तविक खर्च की तुलना में उपयोग किया गया समय-अभिमुख बजट का यह एक विशिष्ट संस्करण है।

लागत कार्यप्रदर्शन सूचकांक (CPI) – किसी परियोजना पर लागत कुशलता को मापना। यह अर्जित मूल्य (EV) और वास्तविक लागत (AV) का अनुपात होता है। $CPI = EV / AV$ ।

लागत-अधिक-तय-फीस (CPFF) अनुबंध- यह एक प्रकार का लागत पुनर्दायगी अनुबंध होता है, जिसमें खरीददार, विक्रेता की अनुज्ञेय लागत (अनुज्ञेय लागत ठेका द्वारा परिभाषित है) के साथ ही मुनाफा की एक तयशुदा राशि (फीस) विक्रेता को पुनर्दायगी करता है।

लागत-अधिक-प्रोत्साहन फीस (CPIF) अनुबंध- यह एक प्रकार का लागत पुनर्दायगी अनुबंध होता है, जिसमें खरीददार, विक्रेता की अनुज्ञेय लागत (अनुज्ञेय लागत ठेका द्वारा परिभाषित है) के लिए विक्रेता को पुनर्दायगी मुआवजा देता है और यदि विक्रेता निर्धारित कार्यप्रदर्शन मापदंड की पूर्तता करता है तो वह उसका मुनाफा भी कमाता है।

लागत पुनर्दायगी अनुबंध- यह एक प्रकार का अनुबंध होता है, जिसमें विक्रेता की वास्तविक लागत के साथ ही अपेक्षाकृत विक्रेता का मुनाफा बतानेवाली फीस के लिए विक्रेता को किये जानेवाले भुगतान का समावेश होता है। लागत पुनर्दायगी योग्य अनुबंध में प्रायः प्रोत्साहन का समावेश होता है, जिसमें यदि विक्रेता अनुसूचित लक्ष्यों और कुल लागत जैसे चयनित परियोजना उद्देश्यों की पूर्तता करता है अथवा उससे आगे बढ़ जाता है, तो विक्रेता को खरीददार से एक प्रोत्साहन अथवा बोनस भुगतान मिलता है।

लागत भिन्नता (CV)- यह किसी परियोजना पर लागत कार्यप्रदर्शन का मापन होती है। यह अर्जित मूल्य (EV) और वास्तविक लागत (AV) के बीच का अंतर होती है। $CV = EV - AV$ ।

नियोजित शेड्यूल संक्षेपण (तकनीक)- यह न्यूनतम अतिरिक्त लागत पर अधिकतम शेड्यूल अवधि को किस तरह से कम करना है उसके लिए निर्णय किये जानेवाले कई विकल्पों का विश्लेषण करने के बाद शेड्यूल अवधि को कम करने के लिए कार्यवाही करते हुए परियोजना शेड्यूल संक्षिप्तीकरण तकनीक का एक विशिष्ट प्रकार होता है। किसी शेड्यूल को नियोजित शेड्यूल संक्षेपण के लिए प्रतीकात्मक तरीके में शेड्यूल गतिविधि अवधि को कम करना और शेड्यूल गतिविधियों पर संसाधनों की नियुक्ति बढ़ाना शामिल है। *तीव्र गतिविधि समांतरण और शेड्यूल संक्षिप्तीकरण भी देखें।*

डब्ल्यूबीएस (वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर) की रचना करना (प्रक्रिया)- ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना डेलिवरेबल्स और परियोजना कार्य को छोटे-छोटे, अधिक व्यवस्थित करने योग्य घटकों में उपविभाजित किया जाता है।

मानदंड- मानक, नियम अथवा परीक्षण जिस पर कोई निर्णय अथवा फैसला आधारित हो सके अथवा जिसके द्वारा उत्पाद, सेवाएं, परिणाम अथवा प्रक्रिया का मूल्यमापन किया जा सके।

निर्णायक गतिविधि- किसी परियोजना शेड्यूल में किसी निर्णायक मार्ग पर शेड्यूल गतिविधि। सामान्यतया निर्णायक मार्ग विधि का उपयोग करते हुए इसका निर्धारण किया जाता है। यद्यपि निर्णायक मार्ग पर गये बिना ही, शब्दकोष के तात्पर्य में कुछ गतिविधियां “निर्णायक” हैं, इसका अर्थ परियोजना के संदर्भ में कभी-कभार ही उपयोग किया जाता है।

निर्णायक श्रृंखला विधि (तकनीक)- यह सीमित संसाधनों का लेखा-जोखा करने के लिए परियोजना शेड्यूल को संशोधित करनेवाली एक शेड्यूल नेटवर्क विश्लेषण तकनीक है।

निर्णायक मार्ग- परियोजना की अवधि का निर्धारण करनेवाली शेड्यूल गतिविधियों का एक अनुक्रम, जो सामान्यतया होता है परंतु हमेशा नहीं होता है। यह परियोजना का सबसे लंबा मार्ग है। *निर्णायक मार्ग कार्यपद्धति भी देखें।*

निर्णायक मार्ग कार्यपद्धति (CPM)(तकनीक)- यह परियोजना शेड्यूल नेटवर्क में विभिन्न तार्किक नेटवर्क मार्ग पर लचकता निर्धारण करने (प्रवाह की मात्रा) की मात्रा का निर्णय करने के लिए और न्यूनतम संपूर्ण परियोजना अवधि का निर्धारण करने हेतु उपयोग की गई एक शेड्यूल नेटवर्क विश्लेषण तकनीक होती है। जल्दी आरंभ करने और समाप्त करने की तिथियों की गणना एक विशिष्ट आरंभ तिथि का उपयोग करते हुए आगे बढ़ने के द्वारा की जाती है। विलंब से आरंभ और समाप्त तिथियों की गणना पीछे जाने के द्वारा की जाती है, जो कि एक विशिष्ट समाप्त तिथि से शुरू होती है, जो कभी-कभार आगे बढ़ने के गणना के दौरान निर्धारित की गई परियोजना की जल्दी समाप्ति की तिथि होती है। *निर्णायक मार्ग भी देखें।*

डेटा तिथि– वह तिथि अथवा जिसके मार्फत परियोजना रिपोर्टिंग प्रणाली ने निर्धारित तिथि में वास्तविक स्थिति और उपलब्धि प्रदान की हो। इसे आज तक की तिथि तक और इस समय की तिथि तक भी कहा जाता है।

उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण (तकनीक)– निर्णय स्थिति विश्लेषण वह आकृति है, जिसमें उपलब्ध विकल्पों में से एक अथवा दूसरे को चुनने के लिये हाजिरी से और उसके निहितार्थ के अंतर्गत एक निर्णय का वर्णन किया जाता है। इसका उपयोग ऐसे समय किया जाता है, जब भविष्य के दृश्य और कार्यवाही के नतीजे अनिश्चित हों। यह संभावनाओं और संघटनाओं के प्रत्येक तर्कसंगत मार्ग की लागत अथवा प्रतिफल और भविष्य के निर्णयों को संस्थापित करता है और वैकल्पिक कार्यवाही के संबंधित मूल्यों को पहचानने के लिए संस्थान की सहायता करने के लिए अपेक्षित आर्थिक मूल्य विश्लेषण का उपयोग करता है। *अपेक्षित आर्थिक मूल्य विश्लेषण भी देखें।*

वियोजन (तकनीक)– यह एक वियोजन तकनीक है, जो परियोजना कार्यक्षेत्र के सम्पादन करने और डेलिवरेबल्स प्रदान करने के साथ जुड़े हुए परियोजना कार्य तक, परियोजना कार्यक्षेत्र और परियोजना डेलिवरेबल्स को छोटे-छोटे, अधिक व्यवस्थित करने योग्य घटकों के रूप में द्विभाजित करती है और जिसे कार्य को समर्थन करने, निष्पादन, निगरानी और नियंत्रण करने के लिए पर्याप्त विवरण में परिभाषित किया गया है।

दोष– किसी परियोजना घटक में कोई त्रुटि अथवा अपूर्णता जहां घटक अपनी आवश्यकताओं और विनिर्देशनों की पूर्तता न हो और जिसकी या तो मरम्मत की जाय अथवा उसे बदला जाय।

दोष निवारण– एक दोष का एक परियोजना घटक में विधिवत दस्तावेजी पहचान करना। इसके साथ यह परामर्श भी हो कि दोष की मरम्मत करनी है या घटक को पूर्ण रूप से बदल देना है।

गतिविधियां निर्धारित करना (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना डेलिवरेबल्स का उत्पादन करने के लिए की जानेवाली विशिष्ट कार्यवाहियों की पहचान की जाती है।

कार्यक्षेत्र निर्धारित करना (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना और उत्पाद का एक विस्तृत विवरण बनाया जाता है।

डेलिवरेबल्स (आउटपुट/इनपुट)– किसी प्रक्रिया, चरण, अथवा परियोजना को पूर्ण करने के लिए उत्पादित किये जाने के लिए किसी सेवा को करने हेतु कोई एकमेव और प्रमाणित करने योग्य उत्पाद, परिणाम और सक्षमता। प्रायः किसी बाहरी डेलिवरेबल्स, जो कि परियोजना प्रायोजक अथवा ग्राहक की मंजूरी के अधीन होता है के संदर्भ में अधिक संकीर्णता से उपयोग किया गया है। *उत्पाद अथवा परिणाम भी देखें।*

डेल्फी तकनीक (विशेषज्ञों से भविष्य में प्रगति की सूचना प्राप्त करनेवाली पद्धति) (तकनीक)– यह एक सूचना एकत्रीकरण तकनीक है जिसमें विशेषज्ञों की सर्वसम्मति भी ली जाती है। विषय के विशेषज्ञ इस तकनीक में अज्ञात रूप से भाग लेते हैं। एक कार्य सुगम बनाने वाला व्यक्ति, विषय से संबंधित महत्वपूर्ण परियोजना बिंदुओं के बारे में आइडिया के अनुरोध के लिए एक प्रश्नावली का उपयोग करता है। प्रतिसादों को संक्षेपित किया जाता है और उसके बाद अगली टिप्पणी के लिए विशेषज्ञों में पुनर्वितरित किया जाता है। इस प्रक्रिया के कुछ चक्र के बाद ही सर्वसम्मति बन पाती है। डेल्फी तकनीक, डेटा में पक्षपात को कम करने में सहायता करती है और किसी भी एक व्यक्ति को नतीजे पर अनुचित प्रभाव डालने से रोकती है।

निर्भरता– *तार्किक संबंध देखें।*

बजट निर्धारित करना (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें एक अधिकृत आधाररेखा स्थापित करने के लिए अकेली गतिविधियों अथवा कार्य पैकेजों के अनुमानित लागत का समूहन किया जाता है।

मानव संसाधन योजना विकसित करना (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और आवश्यक कुशलताओं, कौन किसके अंतर्गत कार्य करेगा इसका दस्तावेजीकरण किया जाता है तथा एक कर्मचारी प्रबंधन योजना की रचना की जाती है।

परियोजना अधिकारपत्र विकसित करना– एक दस्तावेज बनाने की प्रक्रिया है, जिसमें किसी परियोजना अथवा किसी चरण को विधिवत रूप से अधिकृत किया जाता है और अंशधारकों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को संतुष्ट करनेवाली शुरूआती आवश्यकताओं का दस्तावेजीकरण किया जाता है।

परियोजना प्रबंधन योजना विकसित करना– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें सभी सहायकारी योजनाओं को परिभाषित करने, तैयार करने, एकीकृत करने और उनमें समन्वय बैठाने के लिए जरूरी कार्यवाहियों का दस्तावेजीकरण किया जाता है।

परियोजना टीम विकसित करना (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना कार्यप्रदर्शन को बढ़ाने के लिए सक्षमताओं, टीम आदान-प्रदान और संपूर्ण टीम वातावरण में सुधार किया जाता है।

शेड्यूल विकसित करना (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना शेड्यूल की रचना करने के लिए गतिविधि अनुक्रम, अवधि संसाधन आवश्यकताएं और शेड्यूल विवशताओं का विश्लेषण किया जाता है।

परियोजना निष्पादन का निर्देशन और प्रबंध– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना उद्देश्यों को हासिल करने के लिए परियोजना निष्पादन योजना में परिभाषित किये गए कार्य किये जाते हैं।

सूचना वितरण (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें नियोजित रूप से परियोजना अंशधारकों को संबंधित सूचना उपलब्ध कराई जाती है।

अवधि (DU or DUR)– एक निर्धारित गतिविधि अथवा वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर घटक को पूर्ण करने के लिए आवश्यक कार्य घंटों (अवकाशों और अन्य गैर कार्य घंटों का समावेश नहीं है) की कुल संख्या। आम तौर पर कार्यदिवस अथवा कार्यसप्ताह कहा जाता है। *परिश्रम* के साथ विषमता।

शीघ्र समाप्ति की तिथि (EF)– निर्णायक मार्ग विधि में शेड्यूल नेटवर्क तर्क, डेटा तिथि, पर आधारित समय में अतिशीघ्र संभव बिंदु और कोई अन्य शेड्यूल विवशता जहां किसी शेड्यूल गतिविधि अथवा परियोजना के अधूरे भाग को समाप्त किया जा सके। शीघ्र समाप्ति तिथियां परियोजना प्रगति के अनुसार और परियोजना प्रबंधन योजना में किये गए बदलाव के अनुसार बदलती हैं।

शीघ्र आरंभ की तिथि (ES)– निर्णायक मार्ग विधि में शेड्यूल नेटवर्क तर्क, डेटा तिथि, पर आधारित समय में अतिशीघ्र संभव बिंदु और कोई अन्य अनुसूचित विवशता जहां किसी शेड्यूल गतिविधि अथवा परियोजना के अधूरे भाग को आरंभ किया जा सके। शीघ्र आरंभ तिथियां परियोजना प्रगति के अनुसार और परियोजना प्रबंधन योजना में किये गए बदलाव के अनुसार बदलती हैं।

अर्जित मूल्य (EV)– किये गये कार्य का मूल्य, जो कि किसी शेड्यूल गतिविधि अथवा वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर घटक के लिए उस कार्य हेतु निर्दिष्ट मान्यताप्राप्त बजट के संदर्भ में बताया गया हो। यह किये गये कार्य की बजट लगाई हुई लागत के अनुसार भी उल्लेखित है।

अर्जित मूल्य प्रबंधन (EVM)– एकीकृत कार्यक्षेत्र, शेड्यूल और संसाधनों के लिए और लक्ष्यात्मक रूप से परियोजना कार्यप्रदर्शन और प्रगति को मापने की एक प्रबंधन कार्यपद्धति। कार्यप्रदर्शन का मापन किये गए कार्य की बजट लगाई हुई लागत (अर्थात अर्जित मूल्य) और किये गए कार्य की वास्तविक लागत (अर्थात वास्तविक लागत) से तुलना करके किया जाता है।

अर्जित मूल्य तकनीक (EVT) (तकनीक)– कार्य के कार्यप्रदर्शन को मापने और कार्यप्रदर्शन मापन आधाररेखा को स्थापित करने के लिए उपयोग की गई एक विशेष तकनीक।

परिश्रम– किसी शेड्यूल गतिविधि अथवा वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर घटक को पूर्ण करने के लिए जरूरी मजदूर इकाईयों की संख्या। आमतौर पर इन्हें कर्मचारी घंटे, कर्मचारी दिवस अथवा कर्मचारी सप्ताह कहा जाता है। *अवधि के साथ विषमता।*

प्रतिष्ठान वातावरण के कारक (आउटपुट/इनपुट)– परियोजना की सफलता के चारों तरफ मौजूद अथवा प्रभावित करनेवाले कोई अथवा सभी बाहरी वातावरण के कारक और आंतरिक संस्थानात्मक वातावरण के कारक। यह कारक परियोजना में शामिल किसी अथवा सभी प्रतिष्ठानों से होते हैं और इसमें संस्थानात्मक संस्कृति और संरचना, आधारभूत ढांचा, मौजूदा संसाधनों, वाणिज्यिक डेटाबेस बाजार स्थिति, और परियोजना प्रबंधन सॉफ्टवेयर का समावेश होता है।

आकलन (आउटपुट/इनपुट)– समान प्रकार की राशि अथवा नतीजे का एक मात्रासूचक मूल्यनिर्धारण। आमतौर पर परियोजना लागत, संसाधनों परिश्रम और अवधि में प्रयोग में लाया जाता है और एक संशोधक द्वारा पूर्व उदाहरण का संदर्भ लिया जाता है (अर्थात् प्रारंभिक, कल्पना, सुसाध्यता, मात्रा वर्गीकरण, स्थिरता)। इसमें हमेशा पूर्णता का कुछ संकेत समाविष्ट होता है। (उदा। $\pm \times$ प्रतिशत)। *बजट और लागत भी देखें।*

गतिविधि कालावधि का आकलन (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें अनुमानित संसाधनों के साथ प्रत्येक गतिविधि को पूर्ण करने के लिए जरूरी कार्य अवधि की संख्या की गणना की जाती है।

गतिविधि संसाधनों का आकलन (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें प्रत्येक गतिविधि के लिए जरूरी सामग्री, व्यक्ति, उपकरण अथवा आपूर्तियों के प्रकार और मात्रा का आकलन किया जाता है।

समापन तक का आकलन (EAC) (आउटपुट/इनपुट)– जब कार्य का निर्धारित कार्यक्षेत्र पूर्ण कर लिया जाय, तब किसी शेड्यूल गतिविधि, किसी वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर घटक अथवा परियोजना की अपेक्षित कुल लागत। समापन पर आकलन की गणना उस तिथि तक के कार्यप्रदर्शन पर आधारित होती है अथवा अन्य कारकों पर आधारित परियोजना टीम के द्वारा आकलन की जाती है, जिसमें इसे प्रायः नवीनतम पुनर्निर्धारित आकलन के रूप में उल्लेखित किया गया है। *अर्जित मूल्य तकनीक और पूर्ण करने के लिए आकलित लागत भी देखें।*

लागत का आकलन (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना गतिविधियों को पूर्ण करने के लिए जरूरी आर्थिक संसाधन का एक अनुमान लगाया जाता है।

पूर्ण करने हेतु आकलन (ETC) (आउटपुट/इनपुट)– किसी शेड्यूल गतिविधि, वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर घटक अथवा परियोजना के सभी शेष कार्य को पूर्ण करने के लिए जरूरी अपेक्षित लागत। *अर्जित मूल्य तकनीक और समापन तक का आकलन भी देखें।*

निष्पादन– परियोजना कार्य को दिशानिर्देश देना, प्रबंधन करना, कार्य करना और संपादन करना, डेलिवरेबल्स प्रदान करना और कार्य कृति सूचना प्रदान करना।

निष्पादन प्रक्रियाएं (प्रक्रिया समूह)– परियोजना लक्ष्यों को संतुष्ट करनेवाले, परियोजना प्रबंधन योजना में परिभाषित कार्य को पूर्ण करने के लिए की गई प्रक्रियाएं।

अपेक्षित आर्थिक मूल्य (EMV) विश्लेषण– जब भविष्य में समाविष्ट स्थितियां, जो घटित हो सकती हैं अथवा नहीं हो सकती हैं उनके औसत नतीजे की गणना करने के लिए एक सांख्यिकीय तकनीक। इस तकनीक का सामान्य उपयोग निर्णय रुख विश्लेषण में किया जाता है।

विशेषज्ञ की राय (तकनीक)– गतिविधि जो की जानेवाली है उसके लिए उपयुक्त अनुसार किसी प्रयुक्त क्षेत्र, ज्ञान क्षेत्र, माध्यम, उद्योग इत्यादि में विशेषज्ञता के आधार पर प्रदान की गई राय। यह कुशलता विशेषज्ञता शिक्षण, ज्ञान, कौशल, अनुभव अथवा प्रशिक्षण के साथ किसी समूह अथवा व्यक्ति द्वारा भी प्रदान की जा सकती है।

असफल तरीका और प्रभावपूर्ण विश्लेषण (FMEA) (तकनीक) – एक विश्लेषणात्मक कार्यविधि जिसमें एक उत्पाद के प्रत्येक घटक में प्रत्येक संभाव्य असफलता के तरीके को उस घटक की विश्वसनीयता पर उसके प्रभावों का निर्धारण करने के लिए विश्लेषित किया जाता है, और अन्य संभावित असफलता के तरीके के साथ स्वयं उसके द्वारा संयोजन में, उत्पाद अथवा प्रणाली की विश्वसनीयता पर और घटक के आवश्यक कार्यात्मक क्रियाकलाप पर; अथवा सभी तरीकों जहां असफलता घटित हो सकती है के लिए एक उत्पाद (प्रणाली और/अथवा निम्न स्तर पर) का परीक्षण। प्रत्येक संभाव्य साधन की असफलता के लिए एक आकलन कुल प्रणाली पर इसके प्रभाव और इस पर उसके पड़नेवाले प्रभाव के अनुसार किया जाता है। इसके अतिरिक्त असफलता की संभावनाओं को न्यूनतम बनाने के लिए और उसके प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए नियोजित कार्यवाही की समीक्षा की जाती है।

तीव्र गतिविधि समांतरण करना (तकनीक) – एक विशिष्ट परियोजना शेड्यूल संक्षिप्तीकरण तकनीक, जो कि चरणों पर अंशछादित होने के लिए नेटवर्क तर्क को बदलता है, जो कि सामान्य रूप से क्रमानुसार किया जाता है, जैसे कि चरण की रचना और चरण का निर्माण अथवा शेड्यूल गतिविधि को समांतर रूप से करना। *नियोजित शेड्यूल संक्षेपण और शेड्यूल संक्षिप्तीकरण भी देखें।*

समाप्ति तिथि – शेड्यूल गतिविधि के समापन का एक निश्चित बिंदु। आमतौर पर निम्नलिखित में से किसी एक द्वारा पात्र होता है: वास्तविक, नियोजित, आकलित, अनुसूचित, जल्दी, विलंब, आधाररेखा, लक्ष्य अथवा वर्तमान।

अंत से अंत (FF) – एक तार्किक संबंध जिसमें अग्रवर्ती गतिविधि के कार्य का समापन तब तक समाप्त नहीं होता, जब तक कि पूर्ववर्ती गतिविधि का कार्य समाप्त न हो। *तार्किक संबंध भी देखें।*

अंत से शुरू (FS) – एक तार्किक संबंध जहां अग्रवर्ती गतिविधि के कार्य की शुरुआत, पूर्ववर्ती गतिविधि के कार्य समापन पर निर्भर है। *तार्किक संबंध भी देखें।*

ठोस- तय –मूल्य (FFP) अनुबंध – एक प्रकार का तय मूल्य अनुबंध, जिसमें खरीददार एक तय राशि (जैसा अनुबंध द्वारा निर्धारित हो) विक्रेता को देता है। इसका विक्रेता की लागत से कोई संबंध नहीं होता है।

तय मूल्य प्रोत्साहन-फीस (FPIF) अनुबंध – एक प्रकार का अनुबंध जिसमें खरीददार एक तय राशि (जैसा अनुबंध द्वारा निर्धारित हो) विक्रेता को देता है और यदि विक्रेता निर्धारित कार्यप्रदर्शन मानदंडों की पूर्तता करता है, तो विक्रेता एक अतिरिक्त राशि भी कमा सकता है।

खाली समय – इसे मंदगामी भी कहते हैं। *कुल खाली समय और स्वतंत्र खाली समय देखें।*

प्रवाह चित्रण (तकनीक) – किसी प्रणाली के भीतर इनपुट, प्रक्रिया कार्यवाही और एक अथवा अधिक प्रक्रियाओं के आउटपुट का एक चित्रणमा स्वरूप में वर्णन करना।

पूर्वानुमान – पूर्वानुमान के समय उपलब्ध जानकारी और ज्ञान पर आधारित परियोजना के भविष्य में स्थितियों और घटनाओं का पूर्वानुमान अथवा आकलन। यह जानकारी परियोजना के विगत कार्य प्रदर्शन और अपेक्षित भविष्य के कार्यप्रदर्शन पर आधारित होती है और इसमें समापन पर आकलन और समापन के लिए आकलन जैसे भविष्य में परियोजना को प्रभावित करने वाली जानकारी का समावेश होता है।

आगे बढ़ना – सभी नेटवर्क गतिविधियों के अधूरे भागों के लिए जल्दी आरंभ और जल्दी समाप्त तिथियों की गणना। *शेड्यूल नेटवर्क विश्लेषण और पीछे जाना भी देखें।*

स्वतंत्र समय – किसी तुरंत अनुसरण करनेवाली शेड्यूल गतिविधियों की जल्दी आरंभ तिथि में विलंब किये बिना विलंबित की जा सकनेवाली किसी शेड्यूल गतिविधि का समय। *कुल खाली समय भी देखें।*

कार्य प्रबंधक– किसी कार्यात्मक संस्थान के भीतर किसी संस्थानात्मक इकाई का प्रबंधन प्राधिकारी। वास्तविक रूप से कोई उत्पाद अथवा किसी सेवा को करनेवाले किसी समूह का प्रबंधक। इसे लाइन मैनेजर भी कहा जाता है।

कार्यात्मक संस्थान– किसी कनिष्ठ से वरिष्ठ श्रेणी का संस्थान, जिसमें प्रत्येक कर्मचारी का स्पष्ट वरिष्ठ अधिकारी होता है और कर्मचारियों को विशेषज्ञता क्षेत्रों के अनुसार समूहबद्ध किया जाता है तथा उस क्षेत्र के विशेषज्ञ व्यक्ति द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

गैट चार्ट (उपकरण)– शेड्यूल संबंधी जानकारी का आलेखित प्रदर्शन। विशेष प्रकार के चार्ट में शेड्यूल गतिविधि अथवा वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर घटक चार्ट की बायीं ओर सूचीबद्ध होते हैं। तिथियां शीर्ष भाग पर दर्शायी जाती हैं और गतिविधि अवधि तिथि बताए गए समांतर आयत पर दर्शाई जाती हैं।

दर्जा– समान कार्यात्मक उपयोगवाले आइटमों में अंतर करने के लिए उपयोग की गई कोई श्रेणी अथवा क्रमांक (उदाहरण, “हथौड़ा”) परंतु गुणवत्ता के लिए समान आवश्यकताओं को पूरा नहीं करते (उदाहरण, विभिन्न बल प्रयोग की पूर्ति के लिए विभिन्न प्रकार के हथौड़ों की आवश्यकता पड़ती है)।

हैम्माक गतिविधि– संक्षिप्त गतिविधि देखें।

अभिलेख की गई सूचना– परियोजना कागजात, रिकॉर्ड, पत्राचार, बंद अनुबंध और बंद परियोजनाओं समेत विगत परियोजनाओं का दस्तावेज अथवा डेटा।

मानव संसाधन योजना– किसी परियोजना के लिए बतायी गई और संरचना की गई भूमिकाओं, जिम्मेदारियों, परस्पर संबंध की रिपोर्टिंग और कर्मचारी प्रबंधन का वर्णन करनेवाला एक दस्तावेज। यह परियोजना प्रबंधन योजना की सहायकारी योजना होती है अथवा उसमें समाविष्ट होती है।

जोखिम पहचानना (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना को प्रभावित करनेवाले जोखिम का निर्धारण और उसके लक्षणों का दस्तावेजीकरण किया जाता है।

अंशधारकों को पहचानना (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें सभी व्यक्तियों और संस्थानों की पहचान की जाती है, जिन पर परियोजना का असर पड़ता हो और उनके हित, सहभागिता और परियोजना की सफलता पर उनके असर के संबंध में उचित जानकारी का दस्तावेजीकरण किया जाता है।

लादी गई तिथि– शेड्यूल गतिविधि अथवा शेड्यूल प्रतिमान पर थोपी गई एक तय तिथि, आमतौर पर यह “इसके पहले न शुरू हो” और “इसके बाद न समाप्त हो” तिथि के स्वरूप में होती है।

प्रभावी आकृति (उपकरण)– आकस्मिक प्रभावों, समयानुसार घटनाएं, और बदलनेवाले खर्चों और नतीजों के बीच संबंध दर्शानेवाली स्थितियों का एक आलेखित प्रस्तुतिकरण।

शुरुआती प्रक्रियाएं (प्रक्रिया समूह)– परियोजना अथवा चरण को शुरू करने की अधिकृति प्राप्त करके किसी मौजूदा परियोजना के एक नए चरण अथवा एक नई परियोजना को संपन्न करने के लिए की गई प्रक्रियाएं।

इनपुट (प्रक्रिया इनपुट)– किसी प्रक्रिया के आगे बढ़ने के पूर्व उस प्रक्रिया के लिए जरूरी, परियोजना के भीतर अथवा बाहर का कोई आइटम। किसी पूर्ववर्ती प्रक्रिया का आउटपुट भी हो सकता है।

निरीक्षण (तकनीक)– निर्धारित आवश्यकताओं की समानता के अनुसार किसी गतिविधि, घटक, उत्पाद, परिणाम अथवा सेवा की जांच के लिए मापन अथवा परीक्षण।

बोली हेतु आमंत्रण (IFB)– सामान्यतया यह आइटम प्रस्ताव के लिए निवेदन के समकक्ष है। हालांकि कुछ प्रयुक्त क्षेत्रों में यह संकीर्ण अथवा अधिक विशिष्ट अर्थवाले होते हैं।

समस्या– प्रश्न रूप में कोई विषय अथवा मामला अथवा विवाद अथवा मामला जिस पर समझौता न हुआ हो और वह विचाराधीन हो अथवा जिस पर विरोधी दृष्टिकोण अथवा असहमति हो।

पिछड़ना (तकनीक)– अग्रगामी गतिविधि में विलंब दर्शानेवाले किसी तार्किक संबंध का संशोधन। उदाहरण के तौर पर दस दिनों के पिछड़ने के साथ एक अंत-से-शुरू निर्भरता में, अग्रवर्ती गतिविधि को पूर्ववर्ती गतिविधि के समाप्त होने के पश्चात दस दिनों तक नहीं आरंभ किया जा सकता है। *बढ़त* भी देखें।

देरी से समाप्ति की तिथि (LF)– नाजुक मार्ग विधि में, समय के भीतर नवीनतम संभव बिंदु, जिसमें कि शेड्यूल गतिविधि पूर्ण की जा सके, जो कि शेड्यूल नेटवर्क तर्क, परियोजना समापन तिथि और किसी शेड्यूल विवशता का उल्लंघन अथवा परियोजना समापन तिथि को विलंबित किए बिना शेड्यूल गतिविधियों के लिए निर्दिष्ट किसी विवशता पर आधारित होता है। देरी से समाप्ति की तिथि का निर्धारण परियोजना शेड्यूल नेटवर्क के बैकवर्ड पास गणना करने के दौरान किया जाता है।

देरी से आरंभ की तिथि (LS)– नाजुक मार्ग विधि में, समय के भीतर नवीनतम संभव बिंदु जिसमें कि शेड्यूल गतिविधि शुरू की जा सके, जो कि शेड्यूल नेटवर्क तर्क, परियोजना समापन तिथि और किसी शेड्यूल विवशता का उल्लंघन अथवा परियोजना समापन तिथि को विलंबित किए बिना शेड्यूल गतिविधियों के लिए निर्दिष्ट किसी विवशता पर आधारित होता है। देरी से आरंभ करने की तिथि का निर्धारण परियोजना शेड्यूल नेटवर्क के पीछे जाना गणना करने के दौरान किया जाता है।

बढ़त (तकनीक)– अग्रवर्ती गतिविधि को गति प्रदान करनेवाला एक तार्किक संबंध का संशोधन। उदाहरण के तौर पर दस दिनों की बढ़त के साथ अंत-से-शुरू निर्भरता में, अग्रवर्ती गतिविधि को समाप्त की गई पूर्ववर्ती गतिविधि के दस दिन पहले आरंभ किया जा सकता है। एक नकारात्मक बढ़त, एक सकारात्मक रूप से पिछड़ने के समकक्ष होती है। *पिछड़ना* भी देखें।

सीखे हुए सबक (आउटपुट/इनपुट)– परियोजना पर कार्य करने की प्रक्रिया से मिली हुई सीख। किसी भी बिंदु पर सीखे गए सबक को पहचाना जा सकता है। इसे सबक सीखे गए ज्ञान आधार में शामिल किए जानेवाले किसी परियोजना रिकॉर्ड के रूप में भी स्वीकार किया जाता है।

सबक सीखा हुआ ज्ञान आधार– विगत परियोजना में चयनित निर्णय और विगत परियोजना कार्यप्रदर्शन दोनों के नतीजों के बारे में एक अभिलेख की हुई सूचना और सीखे हुए सबक।

समतुल्य करना– संसाधनों के कार्य को समतुल्य करना देखें।

जीवनचक्र– परियोजना जीवनचक्र देखें।

सूची– किसी प्रक्रिया अथवा गतिविधि के निष्पादन के दौरान पहचाने गए चयनित आइटम को दर्ज करने और वर्णित करने अथवा सूचित करने के लिए उपयोग किया गया दस्तावेज। आमतौर पर मुद्दा, गुणवत्ता, नियंत्रण, कार्यवाही अथवा दोष जैसे संशोधक के साथ उपयोग किया गया है।

तार्किक संबंध– दो परियोजना शेड्यूल गतिविधियों, के बीच अथवा किसी परियोजना शेड्यूल गतिविधि और किसी शेड्यूल प्रतिमान के बीच की निर्भरता। चार संभव तार्किक संबंध किया इस प्रकार हैं: अंत-से-शुरू, अंत-से-अंत, शुरू-से-शुरू और शुरू-से-अंत। *पूर्ववर्ती संबंध* भी देखें।

परियोजना टीम का प्रबंध (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना कार्यप्रदर्शन को अनुकूल बनाने के लिए टीम सदस्यों के कार्यप्रदर्शन पर नजर रखी जाती है, प्रतिपुष्टि प्रदान की जाती है, मुद्दों का समाधान किया जाता है और बदलावों को प्रबंधित किया जाता है।

अंशधारकों की अपेक्षाओं का प्रबंध करना (प्रक्रिया) – ऐसी प्रक्रिया है जिसमें अंशधारकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उनके साथ संचार और कार्य करके उनके द्वारा उठाये गये मुद्दों को सुलझाया जाता है।

प्रधान शेड्यूल (उपकरण) – एक संक्षिप्त स्तर परियोजना शेड्यूल जो प्रमुख डेलिवरेबल्स, वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर घटक और सबसे महत्वपूर्ण शेड्यूल प्रतिमान की पहचान करती है। *प्रतिमान शेड्यूल* भी देखें।

सामग्री – किसी उपक्रम में किसी संस्थान द्वारा उपयोग हुई एकीकृत वस्तुएं, जैसे उपकरण, यंत्र, औजार, मशीनरी, गियर, सामग्री और आपूर्तियां।

तालिका संस्थान – कोई संस्थागत संरचना जिसमें परियोजना प्रबंधक, प्राथमिकताएं निर्दिष्ट करने के लिए कार्य प्रबंधक के साथ जिम्मेदारी साझा करता है और परियोजना के लिए निर्दिष्ट व्यक्तियों को कार्य का दिशानिर्देश देता है।

कार्यपद्धति – एक अनुशासन में कार्य करनेवाले लोगों द्वारा उपयोग हुए अभ्यासों, तकनीकियों, कार्यविधियों और नियमों की एक प्रणाली।

प्रतिमान – परियोजना का एक विशिष्ट बिंदु अथवा घटना।

प्रतिमान शेड्यूल (उपकरण) – एक संक्षिप्त स्तर की शेड्यूल, जिसमें प्रमुख शेड्यूल प्रतिमान की पहचान की जाती है। *मास्टर शेड्यूल* भी देखें।

निगरानी – किसी योजना के संबंध में परियोजना कार्यप्रदर्शन डेटा प्राप्त करना, कार्यप्रदर्शन मापन प्रस्तुत करना और कार्यप्रदर्शन सूचना की रिपोर्ट देना और उसका प्रचार करना।

परियोजना कार्य की निगरानी और नियंत्रण (प्रक्रिया) – ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना प्रबंधन योजना में परिभाषित किये गए कार्यप्रदर्शन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए प्रगति पर नजर रखी जाती है, समीक्षा की जाती है और नियमन किया जाता है।

जोखिम की निगरानी और नियंत्रण करना (प्रक्रिया) – ऐसी प्रक्रिया है जिसमें संपूर्ण परियोजना के दौरान जोखिम प्रतिसाद योजना को लागू किया जाता है, पहचाने गए जोखिम पर नजर रखी जाती है, निम्नवर्ग के जोखिम की निगरानी, नए जोखिमों की पहचान, जोखिम प्रक्रिया प्रभाव का मूल्यांकन किया जाता है।

नियंत्रण और निगरानी करनेवाली प्रक्रियाएं (प्रक्रिया समूह) – परियोजना के कार्यप्रदर्शन और प्रगति पर नजर रखने, समीक्षा करने, नियमन करने के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं, जो योजना में जरूरी परिवर्तन करनेवाले क्षेत्रों की पहचान करती हैं और अनुवर्ती परिवर्तनों की पहल करती हैं।

मोंटे कार्लो विश्लेषण – ऐसी तकनीक जो परियोजना लागत अथवा परियोजना शेड्यूल की कई बार इनपुट मूल्यों का उपयोग करते हुए गणना करती है अथवा दोहराती है, यह इनपुट मूल्य संभावित कुल परियोजना लागत अथवा समापन तिथियों के वितरण की गणना करने के लिए संभावित लागत अथवा अवधि के संभाव्य वितरण से अपनी मर्जी से चुने जाते हैं।

मोंटे कार्लो अनुरूपण – ऐसी प्रक्रिया जो सैकड़ों अथवा हजारों संभावित कार्यप्रदर्शन नतीजों की उत्पत्ति करती है जो व्यक्तिगत कठिन कार्य पर लागत और शेड्यूल के लिए संभावित वितरण पर आधारित होती है। इसके बाद नतीजों को संपूर्ण रूप से परियोजना के लिए एक संभावित वितरण की उत्पत्ति करने के लिए उपयोग किया जाता है।

नजदीकी निर्णायक गतिविधि – निम्न स्तर की कुल प्रवाह वाली एक शेड्यूल गतिविधि। निर्णायक स्थिति की परिकल्पना किसी शेड्यूल गतिविधि अथवा शेड्यूल नेटवर्क मार्ग के लिए समान रूप से लागू होती है। वह सीमा जिसके नीचे कुल प्रवाह को नजदीकी रूप से निर्णायक माना गया है, वह विशेषज्ञों की राय के अधीन होती है जो कि, परियोजना-दर-परियोजना भिन्न-भिन्न होती है।

नेटवर्क – *परियोजना शेड्यूल नेटवर्क चित्र* देखें।

नेटवर्क विश्लेषण- शेड्यूल नेटवर्क विश्लेषण देखें।

नेटवर्क तर्क- किसी परियोजना शेड्यूल नेटवर्क आकृति को बनानेवाली शेड्यूल गतिविधि निर्भरता का संग्रह।

नेटवर्क मार्ग- किसी परियोजना शेड्यूल नेटवर्क आकृति में तार्किक संबंध के साथ जुड़ी हुई शेड्यूल गतिविधियों की कोई निरंतर श्रृंखला।

पिंड- शेड्यूल नेटवर्क का एक परिभाषित बिंदु : एक ऐसा जंक्शन बिंदु जो कुछ अथवा सभी अन्य निर्भरता रेखाओं को जोड़ता है।

उद्देश्य- ऐसा कुछ जिसके समक्ष कार्य का दिशानिर्देश दिया गया हो, उस स्थान तक पहुंचनेवाली रणनीतिक स्थिति, अथवा उसे हासिल करने हेतु प्रयोजन, प्राप्त किया जाने वाला परिणाम, उत्पादन किया जानेवाला उत्पाद अथवा दी जानेवाली सेवा।

अवसर- परियोजना के पक्ष में कोई अवस्था अथवा स्थिति, परिस्थितियों का एक सकारात्मक सेट, घटनाओं का एक सकारात्मक सेट, वह जोखिम जिसका परियोजना लक्ष्यों पर सकारात्मक असर पड़े अथवा सकारात्मक परिवर्तनों की संभावनाएं। *आशंका* के साथ विषमता।

संस्थानात्मक विखंडन संरचना (OBS)(उपकरण)- कार्यरत संस्थानात्मक इकाईयों से कार्य पैकेज का संबंध बताने के लिए व्यवस्थित परियोजना संस्थान का एक वंशानुक्रम रूप से संगठित चित्रण।

संस्थानात्मक प्रक्रिया परिसंपत्तियां (आउटपुट/इनपुट)- परियोजना में लिप्त संस्थान के किसी अथवा सभी से जुड़ी हुई किसी अथवा सभी प्रक्रिया संबंधित परिसंपत्तियां जो, परियोजना की सफलता को प्रभावित करने के लिए उपयोग में लाई जाती हैं। इन प्रक्रिया परिसंपत्तियों में औपचारिक और अनौपचारिक योजनाओं, नीतियों, कार्यविधियों और दिशानिर्देशों का समावेश होता है। इसके अलावा इन प्रक्रिया परिसंपत्तियों में सीखे हुए सबक, और अभिलेखित सूचना जैसे संस्थान के ज्ञान आधारों का भी समावेश होता है।

आउटपुट (प्रक्रिया आउटपुट)- किसी प्रक्रिया द्वारा जनित कोई उत्पाद, परिणाम, अथवा सेवा। यह अग्रवर्ती प्रक्रिया का एक इनपुट भी हो सकता है।

सांख्यिकीय आकलन (तकनीक)- एक ऐसी आकलन करने की तकनीक जिसमें गतिविधि मानक जैसे, कार्यक्षेत्र, लागत, बजट और अवधि के आकलन की गणना करने के लिए अभिलेखित डेटा और अन्य बदलनेवाले खर्चों के बीच सांख्यिकीय संबंध का उपयोग किया जाता है (उदाहरण निर्माण क्षेत्र में वर्ग फुट बताना, सॉफ्टवेयर विकास में लाइन्स ऑफ कोड बताना)। यह आकलित लागत प्राप्त करने के लिए प्रति इकाई अभिलेखित लागत द्वारा किये जानेवाले नियोजित कार्य मात्रा का गुणन करनेवाले लागत मानक का एक उदाहरण है।

पैरेटो चार्ट (उपकरण)- वृत्तांत की बारंबारता द्वारा अनुक्रमबद्ध एक आयत चित्रण, जिसमें प्रत्येक पहचाने गए कारण द्वारा कितने परिणामों की उत्पत्ति हुई थी वह दर्शाया जाता है।

मार्ग को केंद्राभिमुख करना- एक परियोजना शेड्यूल नेटवर्क चित्र में एक पिंड में करके समांतर शेड्यूल नेटवर्क मार्ग को मिला देना अथवा जोड़ना। एक केंद्राभिमुख मार्ग को एक से अधिक पूर्ववर्ती गतिविधियों के साथ शेड्यूल गतिविधि द्वारा उसकी विशेषता बतायी जा सकती है।

मार्ग का विकेंद्रीकरण करना- किसी परियोजना शेड्यूल नेटवर्क चित्र में एक पिंड में करके समांतर शेड्यूल नेटवर्क मार्ग का विस्तार करना अथवा उत्पत्ति करना। मार्ग विकेंद्रीत होने की विशेषताएं एक से अधिक अग्रवर्ती गतिविधि के साथ एक शेड्यूल गतिविधि द्वारा बताए जा सकते हैं।

प्रतिशत समापन- किसी गतिविधि अथवा वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर घटक पर पूर्ण किए जा चुके कार्य की मात्रा का प्रतिशत के रूप में किया गया आकलन।

एकीकृत बदलाव नियंत्रित करना (प्रक्रिया) – ऐसी प्रक्रिया है जिसमें सभी बदलाव निवेदनों की समीक्षा की जाती है, बदलावों को मंजूरी दी जाती है और डेलिवरेबल्स, संस्थानात्मक प्रक्रिया परिसंपत्तियों, परियोजना दस्तावेजों, और परियोजना प्रबंधन योजना में बदलाव किया जाता है।

कार्यप्रदर्शन मापन आधाररेखा – यह परियोजना कार्य के लिए एक मान्यताप्राप्त एकीकृत कार्यक्षेत्र-शेड्यूल-लागत योजना है, जिसके समक्ष परियोजना निष्पादन के कार्यप्रदर्शन मापन और व्यवस्था करने के लिए उसकी तुलना की जाती है। तकनीक और गुणवत्ता मानकों को भी शामिल किया जा सकता है।

कार्यप्रदर्शन रिपोर्ट (आउटपुट/इनपुट) – संगठित और संक्षिप्त कार्य कृति सूचना, अर्जित मूल्य प्रबंधन मानक और गणना और परियोजना कार्य प्रगति और स्थिति का विश्लेषण करनेवाला दस्तावेज और प्रस्तुतीकरण।

कार्यरत संस्थान – वह प्रतिष्ठान जिसके कर्मचारी ज्यादातर प्रत्यक्ष रूप से परियोजना कार्य पूर्ण करने में लिस हों।

गुणवत्तासूचक जोखिम विश्लेषण करना (प्रक्रिया) – ऐसी प्रक्रिया है जिसमें जोखिम के घटित होने और उनके असर की संभावनाओं पर विचार करते हुए और संयोजन करते हुए अगले विश्लेषण अथवा कार्यवाही के लिए जोखिम को वरीयता प्रदान की जाती है।

गुणवत्ता सुनिश्चित करना (प्रक्रिया) – ऐसी प्रक्रिया है जिसमें उपयोग किये गए परिचालनीय परिभाषाओं और उपयुक्त गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता नियंत्रण मापन से प्राप्त परिणामों और गुणवत्ता आवश्यकताओं का अंकेक्षण किया जाता है।

गुणवत्ता नियंत्रित करना (प्रक्रिया) – ऐसी प्रक्रिया है जिसमें कार्यप्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए गुणवत्ता गतिविधियों के निष्पादन के परिणामों की निगरानी की जाती है और उसे दर्ज किया जाता है और आवश्यक बदलावों का परामर्श दिया जाता है।

मात्रासूचक जोखिम विश्लेषण करना (प्रक्रिया) – ऐसी प्रक्रिया है जिसमें संपूर्ण परियोजना उद्देश्यों पर पहचाने गये जोखिम के असर का अंकीय विश्लेषण किया जाता है।

चरण – परियोजना चरण देखें।

संचार नियोजन (प्रक्रिया) – ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना अंशधारक की सूचना जरूरतों का निर्धारण और एक संचार तरीके को परिभाषित किया जाता है।

आपूर्ति नियोजन (प्रक्रिया) – ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना खरीददारी निर्णयों का दस्तावेजीकरण, तरीके का उल्लेख, और संभाव्य विक्रेताओं की पहचान की जाती है।

गुणवत्ता नियोजन (प्रक्रिया) – ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना और उत्पाद के लिए गुणवत्ता आवश्यकताओं और/अथवा मानकों की पहचान की जाती है और परियोजना किस तरह अनुपालन का प्रत्यक्ष प्रमाण देगी उसका दस्तावेजीकरण किया जाता है।

जोखिम प्रबंधन नियोजन (प्रक्रिया) – ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी परियोजना के लिए जोखिम प्रबंधन गतिविधि का आयोजन कैसे करना है, उसको परिभाषित किया जाता है।

जोखिम प्रतिसाद नियोजन (प्रक्रिया) – ऐसी प्रक्रिया है जिसमें विकल्पों और अवसरों को बढ़ाने के लिए कार्यवाहियों को तय किया जाता है और परियोजना उद्देश्यों पर आशंकाओं को कम किया जाता है।

नियोजित मूल्य (PV)– किसी शेड्यूल गतिविधि अथवा वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर घटक के लिए संपादित किये जानेवाले शेड्यूल कार्य के लिए निर्दिष्ट किया हुआ अधिकृत बजट। शेड्यूल किये गए कार्य की बजट की हुई लागत के रूप में भी उल्लेखित है।

नियोजन पैकेज– नियंत्रण लेखा के नीचे का एक वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर घटक जो ज्ञात कार्य की विषयसूची के साथ लेकिन विस्तृत शेड्यूल गतिविधियों के बिना हो। *नियंत्रण लेखा भी देखें।*

नियोजन प्रक्रियाएं (प्रक्रिया समूह)– प्रक्रियाएं जो परिश्रम के कुल कार्यक्षेत्र को स्थापित करने, उद्देश्यों को परिभाषित और उन्नत करने के लिए और उन उद्देश्यों तक पहुंचने के लिए आवश्यक सतत गति को विकसित करने के लिए की गई हैं।

पोर्टफोलियो– रणनीतिक व्यापार लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कार्य के प्रभावी प्रबंधन को सरल बनाने के लिए एक साथ समूहबद्ध की गई परियोजनाओं अथवा प्रोग्रामों और अन्य कार्यों का एक संग्रह। पोर्टफोलियो की परियोजनाएं अथवा प्रोग्राम जरूरी तौर पर अंतर्निर्भर अथवा सीधे तौर पर संबंधित नहीं भी हो सकते हैं।

पोर्टफोलियो प्रबंधन (तकनीक)– एक अथवा अधिक पोर्टफोलियो का केंद्रीयकृत प्रबंधन, जिसमें विशिष्ट रणनीतिक व्यापार उद्देश्यों को हासिल करने के लिए परियोजनाओं, प्रोग्रामों की पहचान करना, वरीयता देना, अधिकृत करना, व्यवस्था करना और नियंत्रण करना और अन्य संबंधित कार्य शामिल हैं।

अभ्यास पद्धति– किसी प्रक्रिया के निष्पादन में योगदान देनेवाली एक विशिष्ट प्रकार की पेशेवर अथवा प्रबंधन गतिविधि, जिसमें एक अथवा अधिक तकनीकों अथवा उपकरणों से काम चलाया जाता है।

पूर्ववर्ती आकृति बनाने की विधि (PDM) (तकनीक)– एक शेड्यूल नेटवर्क चित्र बनाने की तकनीक, जिसमें शेड्यूल गतिविधि को चौखटों (अथवा पिंड) द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। पूरी की जानेवाली गतिविधियों के अनुक्रम को दर्शाने के लिए शेड्यूल गतिविधियों को एक अथवा अधिक तार्किक संबंधों द्वारा आलेखित स्वरूप में जोड़ा जाता है।

पूर्ववत संबंध– किसी तार्किक संबंध के लिए पूर्ववर्ती आकृति बनाने की विधि में उपयोग किया गया शब्दसमुच्चय। वर्तमान समय में हालांकि पूर्ववर्ती संबंध, तार्किक संबंध और निर्भरता को बृहद् रूप से अंतर्परिवर्तनीय रूप में उपयोग किया गया है जिसमें उपयोग की गई आकृति बनाने की विधि का संदर्भ नहीं लिया गया है। *तार्किक संबंध भी देखें।*

पूर्ववर्ती गतिविधि– एक शेड्यूल गतिविधि जो यह निर्धारित करती है कि, कब तार्किक अग्रवर्ती गतिविधि शुरू हो सकती है अथवा समाप्त हो सकती है।

पूर्व-सतर्कता कार्यवाही– एक गतिविधि के लिए एक दस्तावेजित निर्देश है जो कि, परियोजना जोखिम के साथ जुड़े हुए नकारात्मक परिणामों की संभावना को कम करते हैं।

संभावना और असर तालिका (उपकरण)– यह निश्चित करने का सामान्य तरीका कि, किसी जोखिम के दो आकारों का संयोजन करते हुए क्या उसे निम्न, मध्य अथवा उच्च श्रेणी आंका गया है : उसके उभरने की संभावनाएं और यदि वह उभरता है तो लक्ष्यों पर उसका पड़ने वाला असर।

आपूर्ति दस्तावेज (आउटपुट/इनपुट)– बोली अथवा प्रस्ताव गतिविधियों में उपयोग किये हुए दस्तावेज, जिसमें खरीददार के बोली का आमंत्रण, मोल-भाव के लिए आमंत्रण, सूचना देने के लिए निवेदन, उद्धरण देने के लिए निवेदन, प्रस्ताव के लिए निवेदन और विक्रेता के प्रतिसाद का समावेश होता है।

आपूर्ति प्रबंधन योजना (आउटपुट/इनपुट)– विकासशील आपूर्ति दस्तावेजीकरण से अनुबंध समाप्त होने तक आपूर्ति प्रक्रियाओं का कैसे प्रबंधन किया जाएगा उसका वर्णन करनेवाला दस्तावेज।

उत्पाद– निर्मित की गई एक कृत्रिम बनावट, जो कि मात्रासूचक हो और जो अपने आप में एक अंतिम उत्पाद भी हो सकता है अथवा एक घटक आइटम हो सकता है। उत्पादों के लिए अतिरिक्त शब्द सामग्री और सामान हैं। *परिणाम* से विषमता। *डेलिवरेबल* भी देखें।

उत्पाद जीवन चक्र– सामान्यरूप से एक अनुक्रमिक और एक-दूसरे पर अंशछादित नहीं होनेवाले परियोजना चरणों का संग्रह, जिनके नाम और क्रमांक संस्थान के उत्पादन और नियंत्रण आवश्यकताओं द्वारा निर्धारित किये जाते हैं। किसी उत्पाद के लिए अंतिम उत्पाद जीवन चक्र चरण, सामान्य रूप से उस उत्पाद का निवृत्ति होता है। सामान्यतया, एक परियोजना जीवन चक्र एक अथवा अधिक उत्पाद जीवन चक्र में समाविष्ट होते हैं।

उत्पाद कार्यक्षेत्र– किसी उत्पाद, सेवा अथवा परिणाम की प्रमुख विशेषताएं और कार्यात्मक गतिविधियां।

उत्पाद कार्यक्षेत्र विवरण– उत्पाद कार्यक्षेत्र का एक दस्तावेजी कथात्मक विवरण।

प्रोग्राम– संबंधित परियोजनाओं का एक समूह जो सुविधाओं और नियंत्रण को प्राप्त करने के लिए एक सहयोगात्मक रूप से प्रबंधित किया गया हो, जिनको व्यक्तिगत रूप से व्यवस्थित करने से प्राप्त नहीं किये जा सकते हैं। प्रोग्रामों में, प्रोग्राम के अंदर अनिरंतर परियोजनाओं के कार्यक्षेत्र के बाहर संबंधित कार्य के तत्वों का समावेश हो सकता है।

प्रोग्राम मूल्यमापन और समीक्षा तकनीक (PERT)– आकलन करने वाली एक तकनीक, जो उत्तमता, निराशावाद के एक भारी औसत का प्रयोग करती है और अधिकतर उस समय आकलन करती है, जब व्यक्तिगत गतिविधि आकलनों के बारे में अनिश्चितता बनी हो।

प्रोग्राम प्रबंधन– प्रोग्राम के रणनीतिक उद्देश्यों और लाभ को हासिल करने के लिए एक प्रोग्राम का केंद्रीयकृत सहयोगात्मक प्रबंधन।

प्रगतिशील विस्तार (तकनीक)– जैसे-जैसे परियोजना प्रगति करती है, वैसे-वैसे उपलब्ध होनेवाली अधिक विस्तृत और विशिष्ट सूचना तथा सही आकलन के अनुसार किसी योजना का निरंतर संशोधन और विस्तृत वर्णन करना और उसके बाद नियोजन प्रक्रियाओं के सफल पुनरावृत्ति से प्राप्त परिणाम से अधिक सही और पूर्ण योजना प्रस्तुत करना।

परियोजना– किसी एकमेव उत्पाद, सेवा अथवा परिणाम की रचना करने के लिए किया गया एक अस्थायी परिश्रम।

परियोजना कैलेंडर– कार्यरत दिवसों अथवा पालियों का एक कैलेंडर, जिसमें उन तिथियों को स्थापित किया गया है, कब शेड्यूल गतिविधियां पूर्ण होती हैं और गैर-कार्यकारी दिवस, जो उन तिथियों को निर्धारित करता है कब शेड्यूल गतिविधियां व्यर्थ हो जाती हैं। प्रतीकात्मक रूप से अवकाशों, सप्ताहांत और पाली के घंटों को परिभाषित करता है। *संसाधन कैलेंडर* भी देखें।

परियोजना अधिकारपत्र (आउटपुट/इनपुट)– परियोजना आरंभकर्ता अथवा प्रायोजक द्वारा जारी किया गया एक दस्तावेज, जो विधिवत रूप से परियोजना की मौजूदगी को अधिकृत करता है और जो परियोजना प्रबंधक को परियोजना गतिविधियों में संस्थानात्मक संसाधनों को प्रयोग में लाने के लिए प्राधिकार प्रदान करता है।

परियोजना संचार प्रबंधन (ज्ञान क्षेत्र)– परियोजना संचार प्रबंधन में उन प्रक्रियाओं का समावेश है जो समय पर और पर्याप्त परियोजना सूचना की उत्पत्ति, संग्रह, वितरण, भंडारण, पुनः प्राप्त करने को सुनिश्चित करती हैं और असीमित रूप से जमा करती हैं।

परियोजना लागत प्रबंधन (ज्ञान क्षेत्र)– परियोजना लागत प्रबंधन में उन प्रक्रियाओं का समावेश होता है, जो आकलन करने, बजट लगाने और नियंत्रण करने में लिप्त होती हैं, जिससे परियोजना मान्यताप्राप्त बजट में पूरी हो सके।

परियोजना मानव संसाधन प्रबंधन (ज्ञान क्षेत्र)– परियोजना मानव संसाधन प्रबंधन में उन प्रक्रियाओं का समावेश होता है, जो परियोजना टीम का आयोजन और प्रबंध करती हैं।

परियोजना की शुरुआत करना– किसी प्रक्रिया की शुरुआत करना, जो एक नई परियोजना की प्राधिकृति में परिणीत होती है।

परियोजना एकीकरण प्रबंधन (ज्ञान क्षेत्र)– परियोजना एकीकरण प्रबंधन में उन प्रक्रियाओं और गतिविधियों का समावेश होता है, जो परियोजना प्रबंधन प्रक्रिया समूहों में विभिन्न प्रक्रियाओं और परियोजना प्रबंधन गतिविधियों को पहचानने, निर्धारण करने, जोड़ने, एकरूप करने और समन्वयन के लिए जरूरी होती हैं।

परियोजना जीवन चक्र– सामान्य रूप से अधिक्रमिक परियोजना चरण का एक संग्रह जिनके नाम और क्रमांक, संस्थान के नियंत्रण आवश्यकताओं अथवा परियोजना में लिस संस्थानों द्वारा निर्धारित किये जाते हैं। एक जीवन चक्र एक कार्यपद्धति द्वारा दस्तावेजित किया जा सकता है।

परियोजना प्रबंधन– परियोजना आवश्यकताओं की पूर्तता के लिए परियोजना गतिविधियों में ज्ञान, कौशल, उपकरण और तकनीकों को प्रयोग में लाना।

प्रोजेक्ट मैनेजमेंट बॉडी ऑफ नॉलेज– एक समावेशित शब्दसमुच्चय जो परियोजना प्रबंधन के पेशे में ज्ञान के योग का वर्णन करता है। अन्य पेशों जैसे, वकालत, चिकित्सा और लेखा में ज्ञान निकाय पेशेवरों और महाविद्यालयों तक ही स्थिर रहता है, जो उसमें प्रयोग में लाया जाता है और उसे उन्नत करता है। सम्पूर्ण प्रोजेक्ट मैनेजमेंट बॉडी ऑफ नॉलेज में प्रमाणित परंपरागत व्यवहारों का समावेश होता है, जो बड़े पैमाने पर प्रयोग में लाये जाते हैं और जिसमें पेशे के बीच में उभरनेवाली नये व्यवहारों का भी समावेश होता है। इस बॉडी ऑफ नॉलेज में प्रकाशित और अप्रकाशित दोनों सामग्रियों का समावेश होता है। यह बॉडी ऑफ नॉलेज लगातार फैलते जा रहे हैं। पीएमआई का PMBOK® गाइड एक अच्छे अभ्यास के तौर सामान्यतया मान्य प्रोजेक्ट मैनेजमेंट बॉडी ऑफ नॉलेज के उपसेट की पहचान करता है।

परियोजना प्रबंधन सूचना प्रणाली (उपकरण)– परियोजना प्रबंधन प्रक्रियाओं के आउटपुट को इकट्ठा करने, एकीकृत करने और प्रचार करने के लिए उपयोग किये गए उपकरण और तकनीकियां समाविष्ट करती हुई एक सूचना प्रणाली। इसे शुरुआत से समापन तक परियोजना के सभी दृष्टिकोणों का समर्थन करने के लिए उपयोग किया जाता है और यह हाथों से किए गए प्रणाली अथवा स्वचालित प्रणाली दोनों में समाविष्ट होती है।

परियोजना प्रबंधन ज्ञान क्षेत्र– यह परियोजना प्रबंधन का एक पहचाना गया क्षेत्र है, जो उसकी ज्ञान आवश्यकताओं द्वारा परिभाषित है और उसके घटक प्रक्रियाओं, अभ्यासों, इनपुट, आउटपुट, उपकरण और तकनीकियों के संदर्भ में वर्णित है।

परियोजना प्रबंधन कार्यालय– एक संस्थागत निकाय अथवा सत्ता, जो उसके कार्यक्रमों के अंतर्गत उन परियोजनाओं के केंद्रीयकृत और आपसी सहयोगात्मक प्रबंधन से संबंधित विभिन्न जिम्मेदारियों को निर्दिष्ट करता है। किसी परियोजना प्रबंधन कार्यालय की जिम्मेदारियों में परियोजना के प्रत्यक्ष प्रबंधन के लिए वास्तविक रूप से जिम्मेदार परियोजना प्रबंधन सहमति कार्यात्मक क्रियाकलापों को प्रदान करना भी शामिल होता है।

परियोजना प्रबंधन योजना (आउटपुट/इनपुट)– एक विधिवत मान्यताप्राप्त दस्तावेज, जो परियोजना कैसे निष्पादित, निगरानी और नियंत्रित की जाती है उसे परिभाषित करता है। यह संक्षिप्त रूप में अथवा विस्तृत रूप में हो सकता है और एक अथवा अधिक सहायकारी प्रबंधन योजनाओं और अन्य नियोजन दस्तावेजों का संयोजन भी हो सकता है।

परियोजना प्रबंधन प्रक्रिया समूह– परियोजना प्रबंधन इनपुट, उपकरण और तकनीक तथा आउटपुट का एक तार्किक समूह। परियोजना प्रबंधन प्रक्रिया समूहों में शुरुआती प्रक्रियाएं, नियोजन प्रक्रियाएं, निष्पादन प्रक्रियाएं, निगरानी और नियंत्रण प्रक्रियाएं तथा समापन प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। परियोजना प्रबंधन प्रक्रिया समूह, परियोजना चरण नहीं होते हैं।

परियोजना प्रबंधन प्रणाली (उपकरण)– किसी परियोजना का प्रबंध करने के लिए प्रक्रियाओं, उपकरणों, तकनीकों, कार्यपद्धतियों, संसाधनों, और कार्यविधियों का संयोजन।

परियोजना प्रबंधन टीम– परियोजना प्रबंधन गतिविधियों में प्रत्यक्ष रूप से लिप्त परियोजना टीम के सदस्य। कुछ छोटी परियोजनाओं में परियोजना प्रबंधन टीम में वस्तुतः सभी परियोजना टीम के सदस्यों का समावेश हो सकता है।

परियोजना प्रबंधक– परियोजना उद्देश्यों को हासिल करने के लिए कार्यरत संस्थान द्वारा निर्दिष्ट किया हुआ व्यक्ति।

परियोजना संस्थान चार्ट (आउटपुट/इनपुट)– किसी विशिष्ट परियोजना के लिए परियोजना टीम के सदस्यों का और उनके अंतर्संबंधों का आलेखित वर्णन करनेवाला दस्तावेज।

परियोजना चरण– तार्किक रूप से संबंधित परियोजना गतिविधियों का एक संग्रह, जो आमतौर पर प्रमुख डेलिवरेबल के समापन की पराकाष्ठा है। परियोजना चरण मुख्य तौर पर अनुक्रम में पूर्ण किये जाते हैं, परंतु वे कुछ परियोजना परिस्थितियों में एक दूसरे पर अंशछादित हो सकते हैं। एक परियोजना चरण, एक परियोजना जीवन चक्र का एक घटक होता है। एक परियोजना चरण, एक परियोजना प्रबंधन प्रक्रिया समूह नहीं होता है।

परियोजना आपूर्ति प्रबंधन (ज्ञान क्षेत्र)– परियोजना आपूर्ति प्रबंधन में कार्य करने के लिए परियोजना टीम के बाहर से आवश्यक उत्पादों, सेवाएं अथवा परिणामों को खरीदने अथवा अधिग्रहण करने की प्रक्रियाओं का समावेश होता है।

परियोजना गुणवत्ता प्रबंधन (ज्ञान क्षेत्र)– परियोजना गुणवत्ता प्रबंधन में कार्यरत संस्थान की प्रक्रियाओं और गतिविधियों का समावेश होता है, जो गुणवत्ता नीतियों, उद्देश्यों, और जिम्मेदारियों का निर्धारण करती हैं, जिससे कि परियोजना उन जरूरतों को पूरा कर सके जिसके लिए उसे हाथ में लिया गया है।

परियोजना जोखिम प्रबंधन (ज्ञान क्षेत्र)– परियोजना जोखिम प्रबंधन में किसी परियोजना के जोखिम प्रबंधन नियोजन का आयोजन करनेवाली, पहचान, विश्लेषण, प्रतिसादों और निगरानी तथा नियंत्रण करनेवाली संबंधित प्रक्रियाओं का समावेश होता है।

परियोजना शेड्यूल (आउटपुट/इनपुट)– शेड्यूल गतिविधियां करने के लिए नियोजित तिथियां और शेड्यूल प्रतिमान तक पहुंचने के लिए नियोजित तिथियां।

परियोजना शेड्यूल नेटवर्क चित्र (आउटपुट/इनपुट)– परियोजना शेड्यूल गतिविधियों के बीच तार्किक संबंध का कोई योजनाबद्ध प्रदर्शन। परियोजना कार्य कालक्रम विज्ञान को दर्शाने के लिए हमेशा बायें से दायें इसका चित्र बनाया जाता है।

परियोजना कार्यक्षेत्र– विशिष्ट विशेषताओं और क्रियाकलापों के साथ कोई उत्पाद, सेवा अथवा परिणाम को सुपुर्द करने के लिए जरूरी तौर पर किया जानेवाला कार्य।

परियोजना कार्यक्षेत्र प्रबंधन (ज्ञान क्षेत्र)– परियोजना कार्यक्षेत्र प्रबंधन में परियोजना को सुनिश्चित करने के लिए उन प्रक्रियाओं का समावेश होता है, जो परियोजना को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के लिए सभी जरूरी कार्य और केवल जरूरी कार्य को शामिल करती है।

परियोजना कार्यक्षेत्र विवरण (आउटपुट/इनपुट)– परियोजना कार्यक्षेत्र का एक कथात्मक वर्णन, जिसमें प्रमुख डेलिवरेबल्स, परियोजना पूर्व-धारणाओं, परियोजना विवशताओं और कार्य के विवरण का समावेश होता है, जो कि अंशधरकों के बीच भविष्य की परियोजना का निर्णय करने और परियोजना कार्यक्षेत्र में एक सामान्य समझौते की पुष्टि करने और विकसित करने के लिए एक दस्तावेजी आधार प्रदान करते हैं।

परियोजना टीम निर्देशिका– परियोजना टीम सदस्यों, उनकी परियोजना में भूमिकाएं उस और संचार सूचना की एक दस्तावेजी सूची।

परियोजना समय प्रबंधन (ज्ञान क्षेत्र)– परियोजना समय प्रबंधन में किसी परियोजना को समय पर पूर्ण करने का प्रबंध करने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं का समावेश होता है।

परियोजना संबंधी संस्थान– कोई संस्थानात्मक संरचना जिसमें परियोजना प्रबंधक को प्राथमिकताएं निर्दिष्ट करने, संसाधनों को प्रयोग में लाने और परियोजना के लिए निर्दिष्ट व्यक्तियों को कार्य का निर्देश देने का पूर्ण अधिकार होता है।

गुणवत्ता– वह कोटि जिस पर अंतर्निहित विशेषताओं का एक सेट आवश्यकताओं की पूर्तता करता है।

गुणवत्ता प्रबंधन योजना (आउटपुट/इनपुट)– गुणवत्ता प्रबंधन योजना में यह वर्णन किया जाता है, कि परियोजना प्रबंधन टीम, कार्यरत संस्थान की गुणवत्ता नीति को किस तरह लागू करेगी। गुणवत्ता प्रबंधन योजना, परियोजना प्रबंधन योजना का एक घटक होती है अथवा एक सहायकारी योजना होती है।

नियमन– किसी सरकारी निकाय द्वारा सख्ती से लागू की गई आवश्यकताएं। यह आवश्यकताएं, सरकार के अनिवार्य आज्ञापत्र के लागू प्रशासकीय प्रावधानों समेत उत्पाद, प्रक्रिया अथवा सेवा विशेषताओं को स्थापित करती हैं।

कार्यप्रदर्शन रिपोर्ट देना (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें स्थिति रिपोर्ट, प्रगति मापन और पूर्वानुमान समेत कार्यप्रदर्शन सूचना प्राप्त की जाती है और वितरित की जाती है।

सूचना हेतु निवेदन (RFI)– एक प्रकार का आपूर्ति दस्तावेज, जिसके द्वारा खरीददार एक संभाव्य विक्रेता से किसी उत्पाद अथवा सेवा और विक्रेता की क्षमता के बारे में विभिन्न टुकड़ों में सूचना प्रदान करने का निवेदन करता है।

प्रस्ताव हेतु निवेदन (RFP)– एक प्रकार का आपूर्ति दस्तावेज, जो उत्पाद अथवा सेवाओं के संभाव्य विक्रेताओं से प्रस्ताव हेतु निवेदन करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। कुछ प्रयुक्त क्षेत्रों में, यह संकीर्ण अथवा अधिक विशिष्ट अर्थ वाला होता है।

उद्धरण हेतु निवेदन (RFQ)– एक प्रकार का आपूर्ति दस्तावेज, जो सामान्य अथवा मानक उत्पादों अथवा सेवाओं के संभाव्य विक्रेताओं से मूल्य उद्धरण हेतु निवेदन करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। कभी-कभी प्रस्ताव हेतु निवेदन के स्थान पर भी इसका उपयोग किया जाता है और कुछ प्रयुक्त क्षेत्रों में, यह संकीर्ण अथवा अधिक विशिष्ट अर्थ वाला होता है।

निवेदित बदलाव (आउटपुट/इनपुट)– एकीकृत बदलाव नियंत्रण प्रक्रिया की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया गया एक विधिवत स्वरूप का दस्तावेजी परिवर्तन निवेदन।

आवश्यकता– एक अनुबंध, मानक, विनिर्देशन अथवा अन्य विधिवत रूप से सख्ती से लागू किये गए दस्तावेज को संतुष्ट करनेवाली प्रणाली, उत्पाद, सेवा, परिणाम अथवा घटक द्वारा निश्चित तौर पर पूरी की जानेवाली और प्राप्त की जानेवाली शर्त अथवा क्षमता। आवश्यकताओं में प्रायोजक, ग्राहक और अंशधारकों के मात्रासूचक और दस्तावेजित जरूरतों, चाहतों और अपेक्षाओं का समावेश होता है।

आवश्यकताएं अनुसरण तालिका– आवश्यकताओं को उनके मूलबिंदु से जोड़नेवाली और पूरे परियोजना जीवन चक्र तक उसका अनुसरण की जानेवाली एक सारिणी।

आरक्षित– लागत और/अथवा शेड्यूल जोखिम को कम करने के लिए परियोजना प्रबंधन योजना में निर्दिष्ट एक प्रावधान। प्रायः किसी संशोधक के साथ उपयोग किया जाता है (उदाहरण, आरक्षित प्रबंधन, आरक्षित आपात) जिससे, कि किस प्रकार के जोखिम को कम करना है, उसके बारे में अधिक जानकारी प्रदान की जा सके।

आरक्षित विश्लेषण (तकनीक)– किसी परियोजना के शेड्यूल अवधि, बजट, आकलित लागत, अथवा निधियों के लिए एक आरक्षित व्यवस्था को स्थापित करने के लिए परियोजना प्रबंधन योजना में घटकों की अनिवार्य विशेषताओं और संबंध का निर्धारण करने के लिए एक विश्लेषणात्मक तकनीक।

शेष जोखिम– जोखिम प्रतिसाद लागू कर दिये जाने के बाद शेष बचा हुआ जोखिम।

संसाधन– कुशल मानव संसाधन (विशिष्ट वर्ग के या तो व्यक्तिगत रूप में अथवा कर्मीदल के रूप में या टीम के रूप में), उपकरण, सेवा, आपूर्तियां, उपयोगी वस्तुएं, सामग्री, बजट अथवा निधियां।

संसाधन विखंडन संरचना– संसाधन सीमित शेड्यूल को विकसित करने के लिए और संसाधन समतुल्य बनाने के शेड्यूल में उपयोग हुए संसाधन श्रेणी और संसाधन प्रकार द्वारा संसाधित एक अधिक्रमिक संरचना, और जो परियोजना मानव संसाधन नियुक्ति को पहचानने और विश्लेषित करने के लिए उपयोग की जा सकती है।

संसाधन कैलेंडर– कार्यरत और गैर-कार्यरत दिनों का कैलेंडर, जो उन तिथियों का निर्धारण करता है, जब प्रत्येक विशिष्ट संसाधन निरूपयोगी हो सकता है अथवा क्रियाशील हो सकता है। प्रतीकात्मक रूप से संसाधन विशिष्ट अवकाशों और संसाधन उपलब्धता अवधि में परिभाषित होता है। *परियोजना कैलेंडर भी देखें।*

संसाधन आयत चार्ट– समय अवधि की शृंखला में कार्य करने के लिए निर्धारित संसाधन का कुल समय दर्शानेवाला एक आयत चार्ट। संसाधन उपलब्धता, तुलना उद्देश्यों के लिए एक पंक्ति के रूप में वर्णित की जाती है। विषम बार्स परियोजना प्रगति के रूप में उपयोग हुए संसाधनों की वास्तविक मात्रा दर्शा सकते हैं।

संसाधन कार्य समतुल्य करना (तकनीक)– किसी भी स्वरूप का शेड्यूल नेटवर्क विश्लेषण, जिसमें शेड्यूल निर्णय (शुरू और अंत की तिथियां) संसाधन विवशताओं द्वारा संचालित होते हैं। (उदाहरण, सीमित संसाधन उपलब्धता अथवा संसाधन उपलब्धता स्तर में बदलाव करने में कठिनाई)।

जिम्मेदारी निर्धारण तालिका (RAM) (उपकरण)– परियोजना संस्थानात्मक विखंडन संरचना से वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर को जोड़नेवाली एक संरचना, जो किसी व्यक्ति अथवा टीम के लिए निर्दिष्ट कार्य की परियोजना के कार्यक्षेत्र के प्रत्येक घटक को सुनिश्चित करने में सहायता करती है।

परिणाम– कार्यरत परियोजना प्रबंधन प्रक्रियाओं और गतिविधियों से प्राप्त एक आउटपुट। परिणाम में नतीजों (उदाहरण, एकीकृत प्रणाली, पुनर्निर्धारित प्रक्रिया, पुनर्संरचना किये गये संस्थान, परीक्षण, प्रशिक्षित कर्मचारी इत्यादि) और दस्तावेजों (उदाहरण, नीतियों, योजनाओं, अध्ययन, कार्यपद्धतियों, विनिर्देशनों, रिपोर्ट इत्यादि) का समावेश होता है। *उत्पाद के साथ विषमता। डेलिवरेबल्स भी देखें।*

पुनः कार्य सुधारण– किसी दोषपूर्ण अथवा अपुष्ट घटक को आवश्यकताओं अथवा विनिर्देशनों के अनुवर्त में लाने के लिए की गई कार्यवाही।

जोखिम– कोई अनिश्चित घटना अथवा परिस्थिति, जो यदि घटित होती है, तो उसका परियोजना के लक्ष्यों पर सकारात्मक अथवा नकारात्मक परिणाम होता है।

जोखिम स्वीकार्यता (तकनीक)– एक जोखिम प्रतिसाद नियोजन तकनीक जो यह दर्शाती है कि, परियोजना टीम ने किसी जोखिम से निपटने के लिए परियोजना प्रबंधन योजना में बदलाव नहीं करने का निर्णय किया है अथवा किसी अन्य उपयुक्त प्रतिसाद रणनीति को पहचानने में अयोग्य है।

जोखिम टालना (तकनीक)– एक आशंका जो परियोजना प्रबंधन योजना में बदलावों की रचना करती है, उसके लिए एक जोखिम प्रतिसाद नियोजन तकनीक जो कि या तो जोखिम को मिटा देने के लिए होती है अथवा उसके असर से परियोजना लक्ष्यों की रक्षा करती है।

जोखिम विखंडन संरचना (RBS) (उपकरण)– संभाव्य साधनों के विभिन्न क्षेत्रों और अवसरों को पहचाननेवाली जोखिम श्रेणी और उपश्रेणी द्वारा प्रबंधित पहचाने गये परियोजना जोखिम का एक अधिक्रमिक संगठित चित्रण। जोखिम विखंडन संरचना प्रायः विशिष्ट प्रकार की परियोजना के लिए अनुकूलन किया जाता है।

जोखिम श्रेणी– जोखिम के संभाव्य कारणों का एक समूह। जोखिम कारणों को तकनीकी, बाहरी, संस्थानात्मक, पर्यावरण, अथवा परियोजना प्रबंधन जैसी श्रेणियों में समूहबद्ध किया जा सकता है। एक श्रेणी में तकनीकी परिपक्वता, वातावरण अथवा आक्रामक आकलन जैसी उपश्रेणियां समाविष्ट हो सकती हैं।

जोखिम प्रबंधन योजना (आउटपुट/इनपुट)– परियोजना में परियोजना जोखिम प्रबंधन की किस तरह संरचना की जायेगी और उसे कैसे किया जाएगा उसका वर्णन करनेवाला दस्तावेज। यह उसमें अंतर्निहित होता है अथवा यह परियोजना प्रबंधन योजना की एक सहायकारी योजना होती है। जोखिम प्रबंधन योजना में सूचना प्रयुक्त क्षेत्रों और परियोजना आकार के अनुसार भिन्न होती है। जोखिम प्रबंधन योजना, जोखिम रजिस्टर जिसमें, परियोजना जोखिम की सूची, जोखिम विश्लेषण के परिणाम और जोखिम प्रतिसाद शामिल होते हैं, उससे अलग होती है।

जोखिम कम करना (तकनीक)– एक जोखिम प्रतिसाद नियोजन तकनीक जो आशंका के साथ जुड़ी हुई होती है जो कि, जोखिम के घटित होने की संभावनाओं अथवा उसके असर को एक स्वीकार्य सीमा तक कम करती है।

जोखिम रजिस्टर (आउटपुट/इनपुट)– गुणवत्तासूचक जोखिम विश्लेषण, मात्रासूचक जोखिम विश्लेषण और जोखिम प्रतिसाद नियोजन के परिणाम को समाविष्ट करनेवाला दस्तावेज। जोखिम रजिस्टर में वर्णन, श्रेणी, कारण, घटित होने की संभावनाएं, उद्देश्यों पर असर, प्रस्तावित प्रतिसाद, अधिकारी और वर्तमान स्थिति समेत सभी पहचाने गये जोखिमों का विस्तृत विवरण रहता है।

जोखिम सहनशीलता– जोखिम की वह कोटि, मात्रा अथवा घनत्व जो कि कोई संस्थान अथवा व्यक्ति बर्दाश्त कर सके।

जोखिम हस्तांतरण (तकनीक)– एक जोखिम प्रतिसाद नियोजन तकनीक जो, आशंका के असर को किसी तीसरे पक्ष को प्रतिसाद के अधिकार के साथ सौंपती है।

भूमिका– परीक्षण, दस्तावेज तैयार करना, निरीक्षण, कोडिंग जैसे परियोजना टीम सदस्य द्वारा किया जानेवाला एक परिभाषित क्रियाकलाप।

आवर्ती तरंग योजना (तकनीक)– यह एक प्रगतिशील संशोधन योजना का स्वरूप होता है, जहां नजदीकी समय में संपादन किये जानेवाले कार्य विस्तृत रूप से वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर के निम्नस्तर पर नियोजित किये जाते हैं, जबकि दूर भविष्य में किये जानेवाले कार्य अपेक्षाकृत रूप से वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर के उच्च स्तर पर नियोजित किये जाते हैं। परंतु नजदीकी भविष्य में दूसरे, एक अथवा दो कालचक्र में किये जाने वाले कार्य की विस्तृत योजना बना ली जाती है, क्योंकि इस कार्य को वर्तमान कालचक्र में पूर्ण करना होता है।

मूल कारण विश्लेषण (तकनीक)– एक विश्लेषणात्मक तकनीक, जो आधारभूत निहित कारणों, जिसके परिणामस्वरूप होनेवाली भिन्नता अथवा दोष अथवा जोखिम का निर्धारण करती है। मूल कारण में एक से अधिक भिन्नता अथवा दोष अथवा जोखिम की मौजूदगी हो सकती है।

शेड्यूल– परियोजना शेड्यूल देखें और शेड्यूल प्रतिरूप भी देखें।

शेड्यूल आधाररेखा– शेड्यूल प्रतिरूप का एक विशिष्ट संस्करण, जिसका उपयोग वास्तविक परिणामों से योजना में तुलना करने के लिए किया जाता है, जिससे यदि परियोजना उद्देश्यों की पूर्ति के लिए पूर्व-सतर्कता और सुधारक कार्यवाही जरूरी हो तो उसका निर्धारण हो सके।

शेड्यूल संक्षिप्तीकरण (तकनीक)– परियोजना कार्यक्षेत्र को छोटा किए बिना परियोजना शेड्यूल अवधि को कम करना। *नियोजित शेड्यूल संक्षेपण और तीव्र गतिविधि समांतरण* भी देखें।

शेड्यूल प्रबंधन योजना (आउटपुट/इनपुट) – परियोजना शेड्यूल को विकसित और नियंत्रित करने के लिए मापदंडों और गतिविधियों को स्थापित करनेवाला दस्तावेज। यह परियोजना प्रबंधन योजना में अंतर्निहित होता है अथवा उसकी सहायकारी योजना होती है।

शेड्यूल प्रतिरूप (उपकरण) – एक प्रतिरूप जो शेड्यूल नेटवर्क विश्लेषण करने के लिए हाथों की विधि अथवा परियोजना प्रबंधन सॉफ्टवेयर के साथ समुच्चय में उपयोग किया जाता है। यह परियोजना के निष्पादन को प्रबंधित करने में उपयोग करने के लिए परियोजना शेड्यूल की उत्पत्ति करता है। परियोजना शेड्यूल भी देखें।

शेड्यूल नेटवर्क विश्लेषण (तकनीक) – परियोजना शेड्यूल गतिविधियों के अधूरे भागों के लिए शीघ्र और विलंब से आरंभ की तिथियों के साथ ही शीघ्र और विलंब से समाप्ति की तिथियों को पहचानने की तकनीक। *निर्णायक मार्ग विधि, निर्णायक शृंखला विधि और संसाधनों के कार्य को समतुल्य करना* भी देखें।

शेड्यूल कार्यप्रदर्शन सूचकांक (SPI) – किसी परियोजना पर शेड्यूल कुशलता को मापना। यह अर्जित मूल्य (EV) और नियोजित मूल्य (PV) का अनुपात होता है। $SPI = EV / PV$ ।

शेड्यूल भिन्नता (SV) – किसी परियोजना पर शेड्यूल कार्यप्रदर्शन को मापना। यह अर्जित मूल्य (EV) और नियोजित मूल्य (PV) का अंतर होता है। $SV = EV - PV$ ।

निर्धारित अंत की तिथि (SF) – समय के भीतर वह बिंदु जहां पर किसी शेड्यूल गतिविधि पर कार्य का अंत करना निर्धारित हो। निर्धारित अंत की तिथि सामान्यतया, शीघ्र अंत की तिथि और विलंबित अंत की तिथि द्वारा स्थिर की गई तिथियों की सीमा के भीतर होती है। यह दुर्लभ संसाधनों के संसाधनों के कार्य को समतुल्य करना इस प्रक्रिया को परावर्तित कर सकती है। कभी-कभी नियोजित अंत की तिथि भी कहा जाता है।

निर्धारित शुरू होने की तिथि (SS) – समय के भीतर वह बिंदु जहां पर किसी शेड्यूल गतिविधि पर कार्य शुरू करना निर्धारित हो। निर्धारित शुरू होने की तिथि सामान्यतया, शीघ्र शुरू होने की तिथि और विलंबित शुरू होने की तिथि द्वारा स्थिर की गई तिथियों की सीमा के भीतर होती है यह दुर्लभ संसाधनों के संसाधनों के कार्य को समतुल्य करना इस प्रक्रिया को परावर्तित कर सकती है। कभी-कभी नियोजित शुरू होने की तिथि भी कहा जाता है।

कार्यक्षेत्र – किसी परियोजना के रूप में प्रदान किये जानेवाले उत्पादों, सेवाओं और परिणामों को जोड़ना। *परियोजना कार्यक्षेत्र और उत्पाद कार्यक्षेत्र* भी देखें।

कार्यक्षेत्र आधाररेखा – विस्तृत कार्यक्षेत्र विवरण, वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर (डब्ल्यूबीएस) का एक मान्यताप्राप्त विशिष्ट संस्करण और उससे संबंधित डब्ल्यूबीएस कोष।

कार्यक्षेत्र में बदलाव – परियोजना कार्यक्षेत्र में किसी प्रकार का बदलाव। कार्यक्षेत्र बदलाव में लगभग हमेशा परियोजना लागत अथवा शेड्यूल का समायोजन जरूरी होता है।

कार्यक्षेत्र सरकना – समय, लागत और संसाधनों पर पड़नेवाले प्रभावों पर ध्यान दिए बिना अथवा ग्राहकों की मंजूरी लिए बिना प्रमुख विशेषताओं और क्रियात्मकता (परियोजना कार्यक्षेत्र) को शामिल किया जाता है।

कार्यक्षेत्र प्रबंधन योजना (आउटपुट/इनपुट) – वह दस्तावेज जिसमें यह वर्णन किया जाता है कि, किस तरह परियोजना कार्यक्षेत्र परिभाषित, विकसित और उसकी जांच की जाती है और किस तरह वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर की रचना की जायेगी और उसे परिभाषित किया जाएगा, जिससे कि वह परियोजना प्रबंधन टीम द्वारा कैसे परियोजना कार्यक्षेत्र को प्रबंधित और नियंत्रित किया जायेगा इस पर मार्गदर्शन प्रदान कर सके। यह परियोजना प्रबंधन योजना में अंतर्निहित होती है अथवा उसकी एक सहायकारी योजना होती है।

एस-कर्व (अंग्रेजी के एस अक्षर (S) के आकार की वक्ररेखा)– समय के समक्ष आलेखित संचित लागत, मजदूरी घंटे, कार्य का प्रतिशत अथवा अन्य मात्राओं का आलेख प्रदर्शन। परियोजना के नियोजित मूल्य, अर्जित मूल्य और उसकी वास्तविक लागत का चित्रण करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। यह नाम एक परियोजना पर निर्मित अंग्रेजी के एस अक्षर (S) के आकार से उत्पन्न हुआ है (शुरूआत और अंत में चौड़ा और मध्य में ढालूनुमा) जो धीरे-धीरे शुरू होते हैं, गति पकड़ते हैं और उसके बाद ओझल हो जाते हैं। संचित प्रकार के वितरण को बताने के लिए उपयोग हुआ एक शब्दसमुच्चय, जो कि किसी अनुरूपण, मात्रात्मक जोखिम विश्लेषण के एक उपकरण का परिणाम होता है।

दोयम जोखिम– किसी जोखिम प्रतिसाद लागू करने के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में उभरनेवाला एक जोखिम।

विक्रेता– किसी संस्थान को उत्पादों, सेवाओं अथवा परिणामों को प्रदान करने वाला प्रदाता अथवा आपूर्तिकर्ता।

संवेदनशीलता विश्लेषण– परियोजना पर किस जोखिम का अधिक असर पड़ता है, उसका निर्धारण करने के लिए उपयोग की गई एक मात्रात्मक जोखिम विश्लेषण और प्रतिरूपण तकनीक। यह उस समय जब सभी अन्य अनिश्चित तत्व उनके आधाररेखा मूल्यों पर मौजूद होते हैं, तब परीक्षण किये गये उद्देश्यों को प्रभावित करनेवाले प्रत्येक परियोजना तत्व की अनिश्चितता के स्तर का परीक्षण करते हैं। परिणाम का प्रतीकात्मक प्रदर्शन टोनाडो डायग्राम के रूप में होता है।

गतिविधियां क्रमबद्ध करना (प्रक्रिया)– ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परियोजना गतिविधियों के बीच संबंधों को पहचाना जाता है और उसका दस्तावेजीकरण किया जाता है।

अनुरूपण– अनुरूपण में किसी परियोजना प्रतिरूप का उपयोग किया जाता है, जो विस्तृत स्तर पर उल्लेखित अनिश्चितताओं को सम्पूर्ण परियोजना स्तर पर बताए गए उद्देश्यों पर उनके संभाव्य प्रभाव में रूपांतरित करता है। परियोजना अनुरूपण कम्प्यूटर मॉडल्स और जोखिम के आकलन का उपयोग करता है। आमतौर पर एक विस्तृत कार्य स्तर पर संभावी लागत अथवा अवधि के संभावित वितरण के रूप में बताया जाता है और प्रतीकात्मक रूप से यह मोटे कालों विश्लेषण का उपयोग करके संपन्न किया जाता है।

मंद– खाली समय भी कहा जाता है। *कुल खाली समय और स्वतंत्र समय देखें।*

विशेष कारण– विभिन्नता का एक स्रोत जो प्रणाली में अंतर्निहित नहीं होता है, जिसका भविष्य नहीं बताया जा सकता और जो रुकावट के साथ आता है। यह प्रणाली में त्रुटि निर्दिष्ट कर सकता है। नियंत्रण चार्ट में नियंत्रण सीमाओं के आगे बिंदु अथवा नियंत्रण सीमाओं के भीतर अपने-आप से न होनेवाले पैटर्न को दर्शाता है। इसे निर्दिष्ट करने योग्य कारण के रूप में भी निर्देशित किया गया है। *सामान्य कारण के साथ* विषमता।

विनिर्देशन– एक दस्तावेज जो किसी पूर्ण, निश्चित, प्रमाणित करने योग्य स्वरूप में किसी प्रणाली की आवश्यकताओं, डिजाइन, व्यवहार और अन्य विशेषताओं, घटक, उत्पाद, परिणाम अथवा सेवाओं और प्रायः इन प्रावधानों की पूर्तता का निर्धारण करनेवाली कार्यपद्धतियों का उल्लेख करता है। उदाहरण, आवश्यकता विनिर्देशन, डिजाइन विनिर्देशन, उत्पाद विनिर्देशन और परीक्षण विनिर्देशन।

विनिर्देशन सीमाएं– किसी उत्पाद अथवा सेवाओं के लिए ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए किसी नियंत्रण चार्ट पर आलेखित डेटा का मध्यबिंदु अथवा मध्यरेखा की दूसरी तरफ का क्षेत्र। यह क्षेत्र नियंत्रण सीमाओं द्वारा परिभाषित क्षेत्र से बड़ा-अथवा छोटा भी हो सकता है।

प्रायोजक– एक प्रायोजक व्यक्ति अथवा समूह होता है जो परियोजना के लिए नकद अथवा अन्य स्वरूप में वित्तीय संसाधन प्रदान करता है।

कर्मचारी नियुक्ति प्रबंधन योजना– वह दस्तावेज जो यह वर्णन करता है, कि कब और कैसे मानव संसाधन आवश्यकताओं को पूर्ण किया जायेगा। यह मानव संसाधन योजना में अंतर्निहित अथवा उसकी एक सहायकारी योजना होती है।

अंशधारक– व्यक्ति अथवा संस्थान (उदाहरण ग्राहक, प्रायोजक, कार्यरत संस्थान अथवा जनता) जो कि, सक्रिय रूप से परियोजना में शामिल होते हैं अथवा जिनके हित परियोजना के निष्पादन अथवा समापन द्वारा सकारात्मक अथवा नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकते हैं। अंशधारक परियोजना और उसके डेलिवरेबल्स पर प्रभाव डालने का प्रयत्न भी कर सकता है।

मानक– किसी दिये गए संदर्भ में आदेश की सर्वोत्तम डिग्री को हासिल करने का लक्ष्य बनायी गयी गतिविधियों अथवा उनके परिणामों के लिए सामान्य और बार-बार उपयोग किये गए नियम, दिशानिर्देश अथवा विशेषताओं को प्रदान करनेवाला दस्तावेज।

आरंभ तिथि– समय से शेड्यूल गतिविधि के आरंभ के साथ जुड़ा हुआ बिंदु। आमतौर पर निम्नलिखित द्वारा पात्र माना जाता है: वास्तविक, नियोजित, अनुमानित, निर्धारित, शीघ्र, विलंब, लक्ष्य, आधाररेखा अथवा वर्तमान।

शुरू-से-अंत (SF) – एक तार्किक संबंध जहां अग्रवर्ती शेड्यूल गतिविधि का समापन, पूर्ववर्ती शेड्यूल गतिविधि की शुरुआत पर निर्भर हो। *तार्किक संबंध भी देखें।*

शुरू-से-शुरू (SS) – एक तार्किक संबंध जहां अग्रवर्ती शेड्यूल गतिविधि की शुरुआत, पूर्ववर्ती शेड्यूल गतिविधि की शुरुआत पर निर्भर हो। *तार्किक संबंध भी देखें।*

कार्य विवरण (SOW) – आपूरित किए जानेवाले उत्पाद, सेवाओं अथवा परिणामों का एक संकीर्ण वर्णन।

शक्ति, कमजोरी, अवसर और आशंका(SOWT) विश्लेषण – यह सूचना इकट्ठा करनेवाली तकनीक है, जो जोखिम प्रबंधन द्वारा माने गए जोखिम के फैलाव को बढ़ानेवाली प्रत्येक परियोजना शक्ति, कमजोरी, अवसरों और आशंकाओं के ठोस दृश्यों से परियोजना का परीक्षण करती है।

उपनेटवर्क– एक परियोजना शेड्यूल नेटवर्क आकृति का एक उपविभाग (खंड) जो कि, आमतौर पर किसी उपपरियोजना अथवा कार्य पैकेज का प्रतिनिधित्व करता है। प्रायः इसका वरीयता सूचक शेड्यूल तर्क अथवा परियोजना कार्यक्षेत्र में परिवर्तन जैसे कुछ संभाव्य साधनों अथवा प्रस्तावित शर्तों का चित्रण करके स्पष्ट करने अथवा अध्ययन करने के लिए उपयोग किया जाता है।

उपचरण– एक चरण का एक उपविभाग।

उपपरियोजना– सम्पूर्ण परियोजना का एक छोटा भाग तब तैयार किया जाता है, जब परियोजना अधिक व्यवस्थित करने योग्य घटकों अथवा टुकड़ों में उपविभाजित की जाती है।

अग्रवर्ती गतिविधि– एक शेड्यूल गतिविधि जो, अपने तार्किक संबंध द्वारा निर्धारित किए अनुसार किसी पूर्ववर्ती गतिविधि का अनुसरण करती है।

संक्षिप्त गतिविधि– कुछ संक्षिप्त स्तर पर एकत्रित की गई और कुछ संक्षिप्त स्तर पर एक एकल गतिविधि के रूप में प्रदर्शित/बताई गई संबंधित शेड्यूल गतिविधियों का एक समूह। *उपपरियोजना और उपनेटवर्क भी देखें।*

टीम सदस्य– परियोजना टीम सदस्य देखें।

तकनीकी कार्यप्रदर्शन मापन (तकनीक)– एक कार्यप्रदर्शन मापन तकनीक, जो परियोजना निष्पादन के दौरान तकनीकी संपादन की तुलना नियोजित तकनीकी उपलब्धियों के परियोजना प्रबंधन योजना के शेड्यूल से करती है। यह एक गुणवत्ता मापदंड के रूप में परियोजना द्वारा उत्पादित उत्पाद के मुख्य तकनीकी मानकों का उपयोग कर सकती है। हासिल किए गए मापदंड मूल्य कार्य कृति सूचना का भाग होते हैं।

तकनीक– किसी उत्पाद अथवा परिणाम का उत्पादन करने अथवा सेवा प्रदान करने की गतिविधि को करने के लिए किसी मानव संसाधन द्वारा लगायी गयी एक निर्धारित प्रणालीबद्ध कार्यपद्धति, जिसमें एक अथवा अधिक उपकरणों को लगाया जाता है।

टेम्पलेट– एक पूर्व निर्धारित प्रारूप में एक आंशिक रूप से पूर्ण किया गया दस्तावेज, जो सूचना और डेटा को एकत्र करने, आयोजन करने, और प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित संरचना प्रदान करता है।

आशंका– परियोजना के लिए प्रतिकूल अवस्था अथवा स्थिति, परिस्थितियों का एक नकारात्मक समूह, घटनाओं का एक नकारात्मक समूह, एक जोखिम जो यदि घटित हुआ तो उसका परियोजना लक्ष्यों में नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा अथवा नकारात्मक बदलावों की संभावना। *अवसर के साथ* विषमता।

तीन-सूत्रीय आकलन (तकनीक)– एक विश्लेषण तकनीक जो, आशावादी, सबसे अधिक गुंजाईश वाली और निराशाजनक परिदृश्यों को प्रस्तुत करने के लिए तीन लागत अथवा अवधि आकलनों का उपयोग करती है। जब नीचे मौजूद गतिविधि अथवा घटक अनिश्चित होते हैं तब लागत अथवा अवधि के आकलन की यथार्थता को सुधारने के लिए इस तकनीक का प्रयोग किया जाता है।

चौहद्दी– मानक के रूप में उपयोग की गई एक लागत, समय, गुणवत्ता, तकनीकी अथवा संसाधन मूल्य, जिसे उत्पाद विनिर्देशन में भी समाविष्ट किया जा सकता है। सीमा को पार करने पर कुछ कार्यवाही हो सकती है, जैसे एक अपवाद रिपोर्ट तैयार करना।

समय और सामग्री (T&M) अनुबंध– एक दोहरी अनुबंधात्मक व्यवस्था वाला एक अनुबंध, जिसमें लागत पुनर्वापसी और तय-मूल्य अनुबंध दोनों दृष्टिकोणों का समावेश होता है। समय और सामग्री अनुबंध लागत-पुनर्वापसी प्रकार की व्यवस्था का अनुकरण करते हैं, जिसमें अनुबंध प्रदान करते समय व्यवस्था का कुल मूल्य निर्धारित नहीं किये जाने के कारण उनका कोई स्थिर अंत नहीं होता है। इस प्रकार यदि अनुबंध में लागत-पुनर्वापसी की व्यवस्था है, तो समय और सामग्री अनुबंध के मूल्य में बढ़ोत्तरी हो सकती है। इसके विपरीत समय और सामग्री व्यवस्थाएं तय-मूल्य व्यवस्थाओं का अनुकरण भी कर सकती हैं। उदाहरण के तौर पर, वरिष्ठ अभियंताओं की श्रेणी के लिए दरों पर दोनों पक्षों के सहमत होने पर, खरीददार और विक्रेता द्वारा इकाई दर पहले ही तय कर लिए जाते हैं।

समय सूचक शेड्यूल नेटवर्क चित्र (उपकरण)– कोई परियोजना शेड्यूल नेटवर्क चित्र, जिसे इस प्रकार बनाया जाय कि उसमें शेड्यूल गतिविधि की स्थिति और लंबाई, उसकी अवधि को दर्शाया गया हो। यह आवश्यक रूप से एक आयत चार्ट होता है, जिसमें शेड्यूल नेटवर्क तर्क का समावेश होता है।

कार्यप्रदर्शन-समाप्ति सूचकांक (TCPI)– लागत कार्यप्रदर्शन का एक गणना किया हुआ प्रकल्पन, जो समापन बजट अथवा समापन आकलन जैसे उल्लेखित प्रबंधन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शेष कार्य पर अवश्य हासिल किया जाना चाहिए। यह “शेष कार्य” और “शेष निधि” का अनुपात होता है।

उपकरण– एक उत्पाद अथवा परिणाम की निर्मिती करने के लिए की जानेवाली गतिविधि में किसी टेम्पलेट अथवा सॉफ्टवेयर प्रोग्राम के रूप में उपयोग हुई कोई स्पष्ट वस्तु।

कुल खाली समय– एक शेड्यूल गतिविधि जिसे परियोजना समाप्ति की तिथि में विलंब किये बिना अथवा किसी शेड्यूल विवशता का उल्लंघन किये बिना उसकी शीघ्र आरंभ करने की तिथि से कुल कितने समय तक विलंबित किया जा सकता है। निर्णायक मार्ग विधि तकनीक द्वारा इसकी गणना की जाती है और शीघ्र समाप्ति की तिथियों और विलंब से समाप्ति की तिथियों के बीच के अंतर से इसका निर्धारण किया जाता है। *स्वतंत्र खाली समय* भी देखें।

प्रचलन विश्लेषण (तकनीक)– अभिलेखित परिणामों पर आधारित भविष्य के नतीजों की भविष्यवाणी करने के लिए गणितीय प्रतिरूप का उपयोग करनेवाली एक विश्लेषणात्मक तकनीक। यह पूर्व प्रगति रिपोर्टिंग कालचक्र डेटा का उपयोग करते हुए एक बजट, लागत, शेड्यूल अथवा कार्यक्षेत्र पैरामीटर की आधाररेखा से भिन्नता का निर्धारण करनेवाली एक विधि है और यदि परियोजना के निष्पादन से कोई परिवर्तन नहीं किया गया, तो भविष्य में किसी भी बिंदु पर हो सकनेवाली आधार रेखा से पैरामीटर कितना भिन्न हो सकती है इसकी परिकल्पना करती है।

ट्रिगर्स-जोखिम घटित हो गया है अथवा घटित होनेवाला है उसका संकेत देना। ट्रिगर्स जोखिम पहचानने की प्रक्रिया में खोजा जा सकता है और जोखिम निगरानी और नियंत्रण प्रक्रिया में उस पर नजर रखी जा सकती है। ट्रिगर्स को कभी-कभी जोखिम लक्षण अथवा चेतावनी संकेत भी कहा जाता है। (**TBD**)

वैधता- वह सुनिश्चितता जिसमें कोई उत्पाद, सेवा, अथवा प्रणाली ग्राहकों अथवा पहचाने गये अंशधारकों की जरूरतों को पूरा करती है। इसमें प्रायः बाहरी ग्राहकों के साथ स्वीकार्यता और उपयुक्तता का समावेश होता है। *जांच करना के साथ* विषमता।

उपयोगिता अभियांत्रिकी- परियोजना जीवनचक्र को अनुकूल बनाने, समय बचाने, मुनाफा बढ़ाने, गुणवत्ता सुधारने, बाजार हिस्सेदारी का विस्तार करने, समस्याओं का समाधान करने के लिए उपयोग की गई एक पहल और/अथवा अधिक प्रभावी ढंग से संसाधनों का उपयोग करना।

भिन्नता- ज्ञात आधाररेखा अथवा अपेक्षित मूल्य से परे एक मात्रा प्रमाणित करनेवाली असामान्यता, विचलन अथवा बिखराव।

भिन्नता विश्लेषण (तकनीक)- कार्यक्षेत्र, लागत और शेड्यूल अस्थिरता के सेट में कुल भिन्नता का कार्यक्षेत्र, लागत और शेड्यूल अस्थिरता को प्रभावित करनेवाले निर्धारित कारकों के साथ जुड़े हुए विशिष्ट घटक भिन्नता में निर्धारण करने की एक विधि।

जांच- एक उत्पाद, सेवा अथवा प्रणाली जो नियमन, आवश्यकता, विनिर्देशन अथवा सख्ती से लागू की गई शर्त का अनुपालन करती है अथवा नहीं करती है उसका मूल्यमापन करना। यह प्रायः आंतरिक प्रक्रिया होती है। *वैधता के साथ* विषमता।

कार्यक्षेत्र की जांच करना (प्रक्रिया)- ऐसी प्रक्रिया है जिसमें पूर्ण किये गए डेलिवरेबल्स को विधिवत स्वीकार किया जाता है।

यथार्थ टीम- साझा उद्देश्यों के साथ व्यक्तियों का एक समूह, जो आमने-सामने मिलकर थोड़ा समय अथवा कोई भी समय बिताए बिना अथवा बहुत कम समय में अपनी-अपनी भूमिकाओं को पूर्ण करते हैं। टीम सदस्यों के बीच संचार को सुगम बनाने के लिए प्रायः विभिन्न प्रकार की प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाता है। यथार्थ टीम काफी दूरी पर अलगाए गए व्यक्तियों को आपस में मिला सकती है।

ग्राहक की मांग- उत्पाद, सेवाएं और परिणाम को प्रदान करने के लिए उपयोग की गई एक नियोजन तकनीक, जो परियोजना उत्पाद विकास के प्रत्येक चरण के लिए पर्याप्त तकनीकी जरूरतों में उन ग्राहकों की जरूरतों का रूपांतरण करते हुए ग्राहकों की आवश्यकताओं को वास्तव में परावर्तित करती है।

कार्य प्राधिकृत करना- किसी विशिष्ट शेड्यूल गतिविधि अथवा कार्य पैकेज अथवा नियंत्रण लेखा पर कार्य शुरू करने के लिए प्रतीकात्मक रूप से एक लिखित अनुमति अथवा निर्देश। यह पहचाने गये संस्थान द्वारा सही समय पर और सही अनुक्रम में किये गये कार्य को सुनिश्चित करने के लिए परियोजना कार्य को मंजूरी प्रदान करने की एक विधि है।

कार्य प्राधिकृति प्रणाली (उपकरण)- सम्पूर्ण परियोजना प्रबंधन प्रणाली की एक उपप्रणाली। यह विधिवत दस्तावेजीकरण की हुई कार्यपद्धतियों का एक संग्रह है, जिसमें पहचाने गये संस्थान द्वारा सही समय पर और सही अनुक्रम में किये गए कार्य को सुनिश्चित करने के लिए परियोजना कार्य को किस तरह प्राधिकृत (वचनबद्ध) किया जायेगा, उसका निर्धारण किया जाता है। इसमें कार्य प्राधिकृति जारी करने के आवश्यक कदम, दस्तावेज, ट्रैकिंग प्रणाली और निर्धारित मंजूरी स्तर का समावेश होता है।

वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर (WBS) (आउटपुट/इनपुट)- परियोजना उद्देश्यों का सम्पादन करने और आवश्यक डेलिवरेबल्स की रचना करने के लिए परियोजना टीम द्वारा निष्पादित किए जानेवाले कार्य का एक डेलिवरेबल-अभिमुख वंशानुक्रम वियोजन। यह परियोजना के कुल कार्यक्षेत्र को आयोजित और परिभाषित करता है।

वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर घटक- किसी भी स्तर पर वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर में प्रवेश करना।

वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर कोष (आउटपुट/इनपुट)– वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर (डब्ल्यूबीएस) में प्रत्येक घटक का वर्णन करनेवाला एक दस्तावेज। प्रत्येक डब्ल्यूबीएस घटक के लिए डब्ल्यूबीएस कोष में कार्यक्षेत्र अथवा कार्य विवरण की एक संक्षिप्त परिभाषा, निर्धारित डेलिवरेबल्स, संबंधित गतिविधियों की एक सूची और प्रतिमानों की एक सूची का समावेश होता है। अन्य सूचनाओं में : जिम्मेदार संस्थान, शुरू और अंत की तिथियों, आवश्यक संसाधन, लागत का आकलन, चार्ज नंबर, अनुबंध सूचना, गुणवत्ता आवश्यकताओं और कार्य को सुगम बनाने के लिए तकनीकी उल्लेखों का समावेश हो सकता है।

कार्य पैकेज– वर्क ब्रेकडाउन स्ट्रक्चर की प्रत्येक शाखा के न्यूनतम स्तर का कोई डेलिवरेबल अथवा परियोजना कार्य घटक। *लेखा नियंत्रण* देखें।

कार्य कृति सूचना (आउटपुट/इनपुट)– परियोजना कार्य का संपादन करने के लिए की जानेवाली परियोजना शेड्यूल गतिविधियों की स्थिति पर प्रत्यक्ष और प्रबंध की गई परियोजना निष्पादन प्रक्रियाओं के भाग के रूप में एकत्रित की गई सूचना और डेटा। सूचना में : डेलिवरेबल्स की स्थिति; बदलाव निवेदन के लिए क्रियान्वयन स्थिति; सुधारक कार्यवाही, पूर्व-सतर्कता कार्यवाही और दोष मरम्मत; समापन पर आकलन का पूर्वानुमान; रिपोर्ट किए गए कार्य का प्रतिशत जो भौतिक रूप से पूर्ण किया गया हो; तकनीकी कार्यप्रदर्शन मापन का हासिल मूल्य; शेड्यूल गतिविधियों की शुरू और अंत की तिथियों का समावेश होता है।

तात्कालिक उपाय (तकनीक)– घटित हुए नकारात्मक जोखिम का प्रतिसाद। आकस्मिक घटना योजना से अलग जिसमें तात्कालिक उपाय नियोजन जोखिमपूर्ण घटना के पूर्व नहीं किया जाता है।